



बोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, शिवि 26 फ़ॉल्मून, 1937 (४०)
18 नार्वे, 2016 (५०)

प्रश्नों की कुल संख्या 216

(1) ग्रामीण कार्य विभाग	—	—	99
(2) पश्च-निर्माण विभाग	—	—	38
(3) ग्रामीण विकास विभाग	—	—	14
(4) जल संवर्धन विभाग	—	—	35
(5) लघु जल संवर्धन विभाग	—	—	21
(6) अम संवर्धन विभाग	—	—	03
(7) भवन निर्माण विभाग	—	—	04
(8) पंचायती राज विभाग	—	—	02

महाक का प्रकाशन

*1386. श्री ग्रन्थ विलास ग्रन्थान्—कवा मंजो, ग्रन्थीण कार्य विभाग, वह चलाने की कृपा करें कि क्या वह चाह सकते हैं कि भागलपुर विलानीति कहलगाँड़ प्रखंड में नारायणपुर, नेट से अद्वायन, सौर हाते हुये भगवान् उच्च धर्म तक सड़क चाँड़ है विद्वान् आमलाला को आकाशसन् में कठिनाई का सम्बन्ध करना पहुँचता है, यदि हैं, तो क्या सरकार उपर गौँव की गढ़ाह का बालोकरण बताने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का जीणोद्धार

*1390. ओ मुद्यनन्द सिंह—कवा मंजो, यह निर्माण विभाग, वह चलाने को कृपा करें कि क्या वह चाह सकते हैं कि भागलपुर विला की धीण-सहीला पथ वाड़ मरमती 5 वर्ष पूर्व को गयी थी गर्वनु पथ के लंबे होते के कारण भागलपुर एवं गोद्वाडा जिला मुख्यालय से आवागमन में आवजन कठिनाई तो रही है, यदि हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ का जीणोद्धार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नूस में जा निर्माण

*1400. कृष्ण अनित कुमार यादव—कवा मंजो, लाप नाम संसाधन विभाग, वह चलाने की कृपा करें कि वह चाह सकते हैं कि अगरिया विलानीति लेपताति प्रांड़ के मालिकपुर अमरी घट्टकाटी धार एवं अमर में धोवान्दूर में लगुंध गह नदी एवं में किलानी को रिठाई आने में कठिनाई होती है क्या बालों चारियों वा महान् अमर पश्चा ते, यदि हैं, तो क्या सरकार लगुंध आर में लूही गंठ का निर्माण (कलाक) कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नहीं का जीणोद्धार

*1401. कृष्ण गोपा—कवा मंजो, लाप नाम संसाधन विभाग, वह चलाने को कृपा करें कि क्या वह चाहते हैं कि गोपालगढ़ी निलामानी नामपुर बझांड रियत गोपाला निलामी देखुडा प्रांड़ निस बोलदा धीर देखुडे लाले लगुंध गह एवं जराजर लकड़ी तहर के लैपोद्धार एवं संसेध-घासर चौह में कठिना लाल-बाल गारब रहने के काला इच्छन एक लालन लाली में रुपा रहता है, यदि हैं, तो क्या सरकार लगुंध नदी गोपालगढ़ी के साथ जल निकाले गए उपर बहन का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

डिवाइंडर का निर्माण

*1402. छी चंद्रशेखर कुमार सिंह उपर्युक्त जनता-जना मंत्री, पश्चिमांश विभाग, वह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) जब यह जात सही है कि रोहतस जिला के लिकमगंज नगर पंचायत सुव असर्गत आय-आसाराम मूला पथ, डिल्ली-जूमांग भूखण्ड पथ एवं लिकमगंज-नटवार पथ आप्सी-संपर्क हैं;

(2) जब यह जात सही है कि सदक संरचना जौमे के काशग आये दिन दुष्प्रकालीन पथ बालभाव में काफी कठिनाई होती रहती है;

(3) जब उपर्युक्त जौमे के ऊपर स्थीकारामपत्र हैं, तो जब सरकार उन गढ़कों का व्याप्रिकरण हो उसपर डिवाइंडर का निर्माण कराने का विचार रखती है, तरी, तो क्यों?

पश्च का निर्माण

*1403. छी गुरुदा कुमार राय়—जना मंत्री, पश्चिम ज्ञानी विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) जब यह जात सही है कि मुक्षपक्षपुर जिला के मुश्तकी प्रखंड के पश्चाती पंचायत निर्माण लक्ष्याधीन गति के पथ का निर्माण 30 तर्फ जून में लिक्क दिया है जिसकी स्थिति बनी है, परन्तु वह उस कोर नेटवर्क में शामिल नहीं है;

(2) जब यह जात सही है कि सरकार द्वारा एवं कोरेनेटवर्क में शामिल संडूक का ही निर्माण जारी का निर्देश दिया गया है जिस कारण उक्त पथ का निर्माण नहीं हो पा रहा है;

(3) जब उपर्युक्त जौमों के ऊपर स्थीकारामपत्र हैं, तो जब सरकार उक्त पथ का निर्माण करते का विचार रखती है, तरी, तो क्यों?

पुल का निर्माण

*1404. छी चंद्रशेखर कुमार मैडल—जना मंत्री, पश्च निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि
क्या यह जात सही है कि अर्सेपा जिलानामति सिक्टी प्रखंड में रानी गूल का निर्माण बिलोब वर्ष 2012-13 में शुरू किया गया है, जिसे 2014-15 में पूरा कर लेना था, सोकिं जाभीताका पञ्चाम प्रसिद्धत नाम ही पूरी किया गया है, तरी, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण कार्य शोध पूरा करने का विचार रखती है, तरी, तो क्यों?

पुल का निर्माण

*1405. छी अशोक कुमार मिह (234)—जना मंत्री, पश्चिम भारत विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि जब यह जात सही है कि औरोचाह जिलानामति रापोगांज प्रखंड में जलांडेला गहाव के भजीनीक ग्राम-जातोंकी को पास जावा नदी पर पुल नहीं जोने से गामीनों की आवायमन में कठिनाई होती है, यदि तो ग्राम-जातोंकी को पास जावा नदी में पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, तरी, तो क्यों?

सहक का प्रकाशन

*1406. श्री नारदग्र प्रसाद—व्या. मंडी, गुरुग्राम भूष्य विभाग, यह बतलाने को क्षमा करेंगे कि व्या यह यात सही है कि पर्याप्त विलानगत भूज्ञनों ग्रहण की जाती, तत्काल, यात्रा चाल तक उच्ची सड़क है विस्तर पर्याप्त प्रश्न भूज्ञालय से जाड़त है, यदि है तो व्या ग्रामपाल उपर सहक का प्रधानाधिकारी बताने का विचार रखती है, महों, तो व्या ?

सहक का नियमण

*1407. श्री गमधीर पासवान—व्या. मंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को क्षमा करेंगे कि व्या यह यात सही है कि मधुबनी विलानगत बाल्यवर्षी, विषय आदि से अधिकाराद्वारा प्रश्नाद साथ की यथकी सड़क भूज्ञनी विलान भूज्ञालय के अधिकाराद्वारा प्रश्न होने का भूष्य सहक है, विस्तर जबर रहने के कारण भावागमन में कठिनाई होती है, यदि हो, तो सरकार उक्त सहक का नियमण रूपरक्त कराना चाहती है, महों, तो व्या ?

पुल के मुआने की सफाई

*1408. श्री मनोहर प्रसाद—व्या. मंडी, पर्याप्त विभाग, यह बतलाने की क्षमा करेंगे कि—

(1) व्या यह यात सही है कि पुरी चम्पारत विलान के लोकपा जर्सीरोपा रोड में पौचन जिला मीड पर जल निकासी को दिसे जर्पे 2015 के फरवरी माह में 18 साल उपरे की लागत से पुल का नियमण कराये गये हैं ;

(2) व्या यह यात सही है कि कुछ सांगो द्वारा उक्त पुल का मुहामा फिल्टर से अट दिया गया है, विस्तरे यससे यसी की निकासी चंद हो गयी है ;

(3) व्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर भवोकारालय है, तो व्या सरकार उक्त पुल का मुहामा साफ कराये का विचार रखती है, नहीं, तो व्या ?

नलकृपा व्यासु करना

*1409. श्री प्रभुनाथ प्रसाद—व्या. मंडी, लंबु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की क्षमा करेंगे कि व्या यह यात सही है कि भोजपुर विलानगत अग्रजीव, चरणसरुरी गृह गाड्हनों प्रखंडों में विषय तो वर्षे में सरकारी नलकृप बढ़ रहे हैं, विस्तर कारण किसानों को नियमण में कठिनत हो रही है, यदि ही, तो व्या सरकार उक्त तोनो प्रखंडों को बढ़ रहे नलकृपा को बालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो व्या ?

महक का निर्माण

*1410. श्री (मो) नेमतलताह—क्या मरे, ग्रामीण करने विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह आत सही है कि गोपालगंज जिला के इसीसे प्रखण्ड अवशेष उत्तरी चापार से निकलकर उधरकी होते हुये शेर तक जाने वाली महक जर्ब है, जिससे लोगों को अनें-जाने में कठिनाई होती है, परि ही, तो क्या सरकार उच्च सहक का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1411. श्री चन्दन चूमार—क्या मरे, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह आत सही है कि सुगाड़िवा जिलानगर अलीली प्रखण्ड के रामपुर, अलीली, गड़ पाट में पुल नहीं रहने से चेसाखें, गोरियामी, लद्दी, इच्छणा, अनोदपुर गांव, छापट्टी, तथ्यम, मंदीमा के लोगों का प्रखण्ड मुख्यालय से सम्पर्क दूष रहता है, तरि ही, तो सरकार क्यातक रामपुर, अलीसीमाल घाट पर पुनर का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1412. श्री मुदिका प्रसाद राण—क्या मरे, पथ निर्माण विभाग, जह बतलाने की कृपा करें कि—
(1) क्या यह आत सही है कि सारण जिला के इमुझपुर प्रखण्ड भित्र छापिया पंचायत के ग्राम-फौनहरा तथा फौनहरा गढ़ी के द्वारा नदी गुजरती है ;
(2) क्या यह आत सही है कि ग्राम-फौनहरा से फौनहरा गढ़ी जाने के लिये 6 किमी की दूरी तय करना चाहता है ;
(3) यदि उपर्युक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्राम-फौनहरा, गढ़ी को खोलने के लिये डब्बा नदी पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सम्पर्क पथ का अधिनियम

*1413. श्री दिनेश चन्द्र बादम—क्या मरे, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—
(1) क्या यह आत सही है कि महाराष्ट्र जिलानगर एस(एस) 95 कोपरिया से अम्बाटी खीक, बनभा तक पथ निर्माण विभाग की महक है, जिसका 3 किमी मो) जिला परिषद् का सम्पर्क पथ है ;
(2) क्या यह आत सही है कि जिला परिषद्, महाराष्ट्र ने उक्त पथ को पथ निर्माण विभाग में हस्तान्तरण करने के लिये वर्ष 2003 में अनापति भी दे दिया है, फिन्ह अभीरक्ष निर्माण नहीं हुआ है ;
(3) यदि उपर्युक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सम्पर्क पथ को अधीक्षण करनांग कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का प्रभावितण

* 1414. ज्ञो रतनेश मार्य—वया भवी, ग्रामीण कार्य विभाग, वह बलाने को कृपा करो कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सहरसा लिलानगर भरखट प्रखड के खल मैदान से किसीपर एवं यहां पर भवत छाते हुवे कुमार ठेला, गानिकपुर तक की सहक जारी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उपर सहक जारी रखने के फलपन असात के दिनों में आते रहा जाता है, जिसमें अवागमन चम्प हो जाता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सहक का प्रभावितण करने का विचार रखती है, नहीं, तो व्यापो ?

पुन जो नियमण

* 1415. श्री अशोक कुमार(12)—वया भवी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह चतुर्थमें की कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर विलानगर विभान-सभा में शिलाजीतगर प्रखड अंदरात पुनर्मा, धर्मपूर पट्ट पर चुल का विभाग नहीं होने की वजह से स्थानीय लागो जो एवं विसेपकर किसीमें को जाक-जाही में कठिनाई होती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर आरोग्योमों चुल का विभाग कराने का विचार रखती है, नहीं, तो व्यापो ?

तटवर्ष का जीणांद्रुपर

* 1416. ज्ञो सरदू कुमार—वया भवी, वह समस्तव विभाग, वह बलाने को कृपा करो कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के औराइ विभान-सभा शेशानगर लाघवग ३ वर्गों से चागमली बहु प्रवर्षत योजना फैज-२ के तहत आय हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त परियोजना के ७४.७६ लिएं मोटर पर लखनदई नदी चागमती नदी में विलीन हो जाती है ;

(3) क्या यह बात सही है कि लखनदई नदी के धोनों किनारे प्रा.तटवर्ष विभान १५ धर्मों से जरी एवं जीण-लोर्ण अवस्था के साथ हो कई जगह पर पूरी तरह कट रुका है ;

(4) यदि उपर्युक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लखनदई नदी का फैज-२ के तहत ही जीणांद्रुपर कराने का विचार रखती है, नहीं, तो व्यापो ?

पुलिया की मरमती

* 1417. श्री कृष्ण कुमार जौहि—स्थानीय देवित समाजान-पय में दिनांक १० जनवरी, २०१६ को प्रकाशित जीपीए “धौमा, रेखोत्तर जामे जाली प्रधानमंडी धाम सहक जैव?” के आलोक में क्या भवी, ग्रामीण कार्य विभाग, वह बलाने की कृपा करो कि इस बात सही है यह पुरियाँ जिला के चन्द्रमस्ती प्रखड में वर्ष २०१० में प्रधानमंडी धाम सहक योजना से जाली पलो धीर, इवानम ४,९०० लिएँ जी पुलिया सहक एवं रहक में जगह-जगह स्थापित पुलिया शतिष्ठित हो गया है, अति ही, तो क्या सरकार उक्त सहक एवं सहक में स्थापित पुलिया को मरमती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो व्यापो ?

पर्याय की समस्ती

*1418. क्षेत्र ग्रामीण प्रभाव—वया भवो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बताना चाहे कोई कृपा करें कि क्या वह बात सही है कि ग्रामीण कार्य प्रभावित, कठिनाई अनुभव ग्रामीण कार्य के लक्षण हैं तो? । के लिए प्रभावित कठिनाई-पूर्णपूर्ण रोड से कनवा टोला पर्व कठिनाई-इंद्रजीता पर्व को स्थिरीत बताए हैं, जिससे आम लोगों को अधिकार में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार इसे योग्य की परम्परी बारात तो विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

प्रभावित का नियोग

*1419. क्षेत्र ग्रामीण उत्तर—वया भवो, पर्याय नियोग विभाग, दूःखपात्र की कृपा करें कि क्या वह बात सही है कि साराज विकासनीति सांस्कृति विधान-सभा द्वारा का 'दुर्बल गोड' (चारोंपास) पर गोलम्बर नहीं रहने के कारण जाते दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार इसे स्थान पर गोलम्बर का नियोग करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

महाराष्ट्र का नियोग

*1420. क्षेत्र ग्रामीण प्रभाव नियोग—वया भवो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बताना चाहे क्या करें कि क्या वह यात सही है कि कठिनाई विभाग के नियोगी प्रबुद्ध अंतर्गत कुरुक्षेत्र राज्य पर्वायत के 2010-11-12 सदृक से लालकुही तक कल्याण सदृक रामें के कारण भवानीमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सदृक का नियोग करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

समाज के पर्याय से जोड़ना

*1421. भीमारी गायबांदी देवी—वया भवो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बताना चाहे की कृपा करें कि—
(1) क्या यह बात सही है कि सभी महाविलास दोलों का समर्क पर्याय से जोड़ने का नियंत्रण वर्ष 2008-09 में सरकार द्वारा दिया गया है;

(2) क्या वह बात सही है कि सीतामढी जिला के स्वेच्छारम्भ प्रबुद्ध के भगुआडा, थिथनपुर, अधिक अन्तर्गतों में 2008 से अल्पांक एक भी महाविलास दोलों को समर्क पर्याय से नहीं जोड़ा गया है;

(3) यदि उपर्युक्त बातों के उत्तर स्वीकार्यमक हैं, तो सलाह करेंकि उक्त महाविलास दोलों को समर्क पर्याय से जोड़ना चाहती है, नहीं, तो क्यों?

माप-तौल कार्यालय चालान

*1422. श्री नवरात्रिमास गादब—कथा मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) आप यह चाल खाते सही है कि पटना जिला के पटना सिटी अनुमंडल में एक माप-तौल विभाग का कार्यालय कार्यालय था, जिसे वर्ष 2013 में बिहार किसी बदला वा पटना सिटी से हटा दिया गया ?

(2) क्या यह चाल सही है कि पटना सिटी सभ्य का संघर्ष चाहू व्यापारिक धर्म है, जहाँ पॉलिओन 60 कच्छड़ रुपये से अधिक का ज्ञानार होता है, जिसमें गरजार को इस व्यापारिक गतिविधि पर कर प्राप्त होता है, किन्तु इस राज्यालय को अन्यत्र स्थल पर स्वामानिशि करने के फायदे अवलम्बित को भागे व्यक्तिगत का सम्बन्ध रखता पड़ता है ;

(3) यह उपर्युक्त चालों के उत्तर सर्वोकारात्मक हैं, तो क्या सरकार माप-तौल के कार्यालय को यह सही भासि पटना सिटी अनुमंडल स्वतं के कार्यालय में खाली का विवर देखती है, नहीं, तो क्यों ?

दैस वा निर्माण

*1423. वीमनी शावित्री देवी—कथा मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह चालाने को कृपा करेंगे कि यह चाल सही है कि जमुई लिंगनन्दीत चक्कई विधान-सभा और कामलीजीर दैसहारदा धीया, मुहूर्या डैम, दूरहनी धीया, गेहुआ दैस के निर्माण का फैसल वर्षों से उत्ताप है, परन्तु भाजाक निर्माण प्रोग्राम नहीं हुआ है, तरिहीं, तो सरकार जलाला उत्तर तरे दैस का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

युत का निर्माण

*1424. श्री असाम कुमार—कथा मंत्री, यामोण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि यह चाल सही है कि गहरदा जिला के सोरबाजार एवं विछियारपुर प्रखण्ड को जोड़ने वाली इसरवा ने तरियाक पथ के सीधे इमरत से इक्षिण तिलावे नदी पर कूल नहीं रहने के कारण आवागमन चाहित है, यदि हो, तो सरकार उक्त स्थान पर कवताक पुल निर्माण कराने चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

वितरणी का जीर्णोद्धार

*1425. श्री सोताराम गादब—कथा मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि आप यह चाल सही है कि मध्यमनी जिला के कामला लिंगोजन, बरगंगर औरगंगर छिरहर जाता नहर स्पृह हत्थापुर परसा, घनमोहन फैस्ट विधायी विभाग 5 वर्षों से बंद रहने के कारण किसानों को वितरणी करने में अविभाइ हो गयी है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त फैस्ट विधायी का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूर्ण का निमोण

*1426. की लाल बाल राम—क्या मंत्री, प्रामोण कृष्ण विभाग, पह चलाने की कृपा करें कि क्या एह बात जहाँ है कि मुजफ्फरपुर जिलों के सकरा प्रखड़ के परवापर मुराहलालचन्दू में बहरी गाम के पास अमूर्खी नदी पर बना पुल विभाग चार बच्चों से जौन है, अदि ही, तो कृपा मस्कार उपल पूर्ण का विभीषण कराने का विचार रखतों हैं, भारी क्यों ?

पूर्ण का निधान

*1427. डॉ. इकोल अहमद छाँ—क्या मंत्री, प्रामोण कार्य विभाग, आह चलाने का कृपा करें कि क्या एह बात जहाँ है कि कटिहार जिलान्तरित करवा प्रखड़ के गढ़ीरा बचारगढ़ वा गढ़ीरा खड़ पर रिचा नदी पर पुल नहीं है, अदि ही, तो क्या सरकार गढ़ीरा बाट पर तुल मान निमोण कराने का विचार रखतों हैं, नहीं, क्यों ?

सहकरण नियम

*1428. भी शुभेन्दु रूपराम—क्या मंत्री, पानोनि नार्त विभाग, आह चलाने को कृपा करें कि क्या एह बात जहाँ है कि सीधामस्ती जिलान्तरित डुमरा प्रखड़ के बर्थरा उत्तरांक के कटिहार, गैक वा गढ़ीरा पर विकलाल वारं बाटी सहकरण कृष्ण है, भवि ही, तो क्या सरकार उत्तर प्रदेश का नियमोन्नाम चराने का विचार रखतों हैं, नहीं, क्यों ?

पूर्ण का तुलानायन

*1429. की सुरेण कृष्ण—क्या मंत्री, जन मन्त्रालय विभाग, जो ललतांक को बाहर करो तो क्या बहुत ज्युत रहती है कि मुजफ्फरपुर जिले के मुजफ्फरपुर जात निवासी जलानु वा तुल में विकलाल गुरुवी दोहरे दूष उत्तरांक घट जाने वाली ऐसे सहकरण की के जिलों बोरे वा जोनान्द पूर्व के सहकरण की जात के बारें यातायात प्रभावित है, भवि ही, तो क्या मस्कार लिपित जैव वा जौदालगण चार दस धर्म का उत्तरांक कराने का विचार रखती है, नहीं, तो तरह ?

पुल का निर्माण

* 1430. श्री सर्वोच्च कमार उपर्युक्त मुना यादव—जया भंडो, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जया यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के यीनापुर प्रखंड स्थित बलुआ चान्दा में सहक नदी पर पुल निर्माण की घोषणा दिनांक 7 जुलाई, 2007 को को गयी थी, जिसनुसार निर्माण कार्य अभोताक प्रारंभ नहीं किया गया है, यदि हो, तो जया सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विभाग रखती है, नहीं, तो क्या ?

सहक का चौड़ीकरण

* 1431. श्री चिनोद कृष्णराजिन्ह—जया भंडो, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जया यह बात सही है कि काटिहार जिला के आजमगढ़ अन्तर्गत सालमारी से आजमगढ़ तक तो 12 किमी० लम्बी सहक की चौड़ीग भूत 9 पीट रुपने के कारण सोमों को अव्याधिमन में कठिनाई होती है, यदि हो, तो जया सरकार उपर्युक्त सहक का चौड़ीकरण कराने का विभाग रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का पुनर्निर्माण

* 1432. श्री विजय कृष्णराजेश्वर—जया भंडो, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जया यह बात सही है कि विभाग ने वर्ष 2013 में बिहार पथ अस्थिरण अनुरक्षण नीति, 2013 के तहत अपने सहकों का रख-रखाव एवं पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है, यदि हो, तो जया सरकार उक्त योजना के तहत पुण्यार्थी जिला के मलानीपुर-गोपपुर बाट पथ का पुनर्निर्माण का विभाग रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का मरम्मती

* 1433. श्री मन्दिका मिंह यादव—जया भंडो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जया यह बात सही है कि जहानाबाद जिला के रानी, फारादपुर प्रखंड के पढोल-मुरहरा पथ से महादीपुर से अद्वा तक 2 किमी० सहक तथा धनिडहरी से जबालीपुर भावा पचास, भसहा तक 2 किमी० तक सहक बाजार है, यदि हो, तो जया सरकार उक्त पथों की मरम्मती कराने का विभाग रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 1434. डॉ सुनील कृष्णराज—जया भंडो, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—
(i) जया यह बात सही है कि नालंध जिलान्तरी शिलाशरीफ शहर के भोइसराय मोहू के पूरब पंचाने नहीं तक पुल बनाने की स्वीकृति वर्ष 2014 में हुआ था;

- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुल बनाने की स्वीकृति मिलने के बाद भी पुल का निर्माण नहीं हुआ जाया पुल के निर्माण को जागरूकता भूमि का अविकासण हो रहा है;
- (3) मगि उपर्युक्त घटना के उत्तर न्यौकरात्मक है, तो क्या सरकार उक्त पुल की भूमि का अविकासण औ सुविधा करने हुये पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब्रिक, नहीं, तो क्यों ?

गति भूगतान करना

- *क' *1435. ओ. नरेश्वर प्रसाद—ज्ञान मंत्री, स्थानीय विभाग, यह बताएं को क्या करें कि—
- (1) क्या यह बात सही है कि गांधीजी भूक्षा ओमा योजना के तहत सभी चौ०पी०एल० कार्यधारी परिवार का चिकित्सीय ओमा यूनाइटेड हॉस्पिटल इंशेरेस कम्पनी, फटना द्वारा वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिये किया गया है;
- (2) क्या यह बात सही है कि ओमा यूनाइटेड को इंशेरेस कंपनी द्वारा चिकित्सीय लाभ हीतु 30 हजार रुपये का अनुदानित राशि संबंधित अस्पताल का दिया जाता है;
- (3) क्या यह बात सही है कि परिवर्य बनारण निला में चौ०पी०एल० कार्यधारी के इलाजरत अस्पतालों यथा समीर मेमोरियल हॉस्पिटल, औरंगाबाद, वेलगा (2) शपाम निलारी हास्पीटल, चंडीगढ़, (3) आर्या हॉस्पिटल, चेतिया एवं अम्ब अस्पतालों द्वारा ओमा कंपनी के यहीं राशि भुगतान हुए अप्रैल, 2015 से जारी किया गया है, तो किन भूगतान अपीलक नहीं हो सकता है;
- (4) यदि उपर्युक्त घटना के उत्तर न्यौकरात्मक है, तो क्या उत्तरात् खंड (3) में वर्णित अस्पतालों पर दार्ता का भूगतान इंशेरेस कंपनी से कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब्रिक, नहीं, तो क्यों ?

जल-व्यवाह से सुधिता

- *1436. ओ. नरेश्वर प्रसाद देव—ज्ञान मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बताएं को क्या करें कि—
- (1) क्या यह बात सही है कि पुरी जन्यारण निला के ओरेजा से होकर जगीराहा काठी, डैमोभट, राजहु काठी में आगे को ओर जाने वाली सुधीती नदी गंडक में मिलती है;
- (2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 1985 में विभाग द्वारा जर्दों में जल संचय कर किसानों को प्रदान एवं आग काढ़ी हीन नदी को ओर जा सक जर्दों अधिगृहित किया गया है;
- (3) यदि उपर्युक्त घटना के उत्तर न्यौकरात्मक है, तो क्या सरकार उक्त नदी में जल संचय के लिये अधिगृहित भूमि में जल संचय को ज्यवस्था कर किसानों को पानी उपलब्ध कराने तथा अन्य अगल-बगल के जर्दों को जल-व्यवाह से बचाकर कृषि धारण बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कब्रिक, नहीं, तो क्यों ?

सुल का निर्माण

*1437. ओमली श्रमा चौधरी— वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बठलाने की जगह करेंगे कि वह परा चाल सही है कि जिलाली जिला के पातपुरु प्रखण्डनागत नव मंत्री जे लेखदाता वाहू भए गए मंत्री जोने के कारण नदी के धैर्यों और से अवैध ५० हजार की आवापन में जावाहार का आवापन में जावाहार का आवापन करने महुआ है, यदि हो, तो वह मरकार उक्त चुन का निर्माण करने का विकास दखली है, नहीं, तो क्यों ?

बौद्ध जनाना

*1438. श्री पीरवा कुमार "बदल"— वह मंत्री, जन संसाधन विभाग, यह बठलाने की जगह करेंगे कि वह यह चाल सही है कि मूँगल जिलालगत लालापुर प्रखण्ड में २०१४ में आपी चाह में सुरक्षा नदी के धैर्यों ताक का बौद्ध विकास हो गया, जिसके बजह से नहीं को अवामी कर हजार एकड़ फसल कर सात घटसत में बढ़ोद हो जाता है, यदि हो, तो वह मरकार डम बौद्ध का बनाने का विकास दखली है, नहीं, तो क्यों ?

इम जो समझती

*1439. प्रीतांशु लालितो देवी— उक्त मंत्री, जन संसाधन विभाग, यह बठलाने की जगह करेंगे कि जब यह चाल सही है कि जमुई जिलालगत चकई विभाग-मना देव के मानो प्रखण्ड के जिलार्टिं इम एवं चकई प्रखण्ड वो जनम हैं, आपा डम एवं गोबी हैं जो लगे २०१५ से दो समझती काल नहीं होते हैं, जिसमें याती जबोद हो जाता है एवं इसमें को मिश्याउ में कालिन्द होती है, यदि हो, तो वह मरकार डम की भारमती कराने का विचार दखली है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*1440. श्री बणिधर मिंह— वह मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बठलाने की जगह करेंगे कि—

(1) वह यह चाल सही है कि उपर्युक्त प्रभावित जिला में ३०५० ए० पी० योजना के अन्तर्गत ग्रामीण पथ यह निर्माण कराया जाता है;

(2) वह यह चाल सही है कि भारत मरकार द्वारा ३०५० ए० पी० योजना बंद कर दिया गया है;

(3) वह यह चाल सही है कि जिस जिला में ३०५० ए० पी० योजना चल रहा था, उस जिला में मुख्यमंत्री ग्रामीण मरकार योजना में पथों का निर्माण नहीं हो रहा है;

(4) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर ग्रामीण ग्रामीण कार्यकार्यालय है, तो वह मरकार उपर्युक्त प्रभावित जिला में मुख्यमंत्री ग्रामीण मरकार ग्रामीण के अन्तर्गत पथों का निर्माण कराने का विचार रखती है, तो कबतक नहीं, तो क्यों ?

* 1441. की जिलेन्द्र कुमार— क्या मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, वह अवलोकन की कथा करेंगे कि उपर्युक्त बात यही है कि नासेबा विलानार्गत जलसी संरचना प्रयोग्य है जो ग्राम जलसी के लिए वित्तीय वर्ष 2013-14 में मुख्यमंत्री सहकर नियोग है तो निविदा आमंत्रित की गई थी, किन्तु तोन वर्ष पर्यंत निविदा के आलोक व समवेदक को कार्य लावटन राने के पश्चात् आज तक मुख्यमंत्री सहकर नियोग का कालांगन नहीं किया गया है, यदि हौं तो ग्रामकार इममें संबंधित अधियत पर्यंत संवेदक पर कार्रवाई करते हैं उपर्युक्त कार्य का विचार रखती है, तरीं, तो क्या ?

सहकर का नियोग

* 1442. ओमनाथ प्रसाद मिश्र— क्या मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, वह अवलोकन की कुप्रापका विकाय यह बात यही है कि कटिहार जिला के भनसाहे राखड़ अन्तर्गत नियोगिता ग्राम पंचायत के लाई वर्धमान मरम्मत से रोपा टोला जाने वाली सहकर म महावीर सिंह के द्योत तक कच्ची सहकर राने के बाराण जाम जनता को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हौं तो क्या ग्रामकार उक्त सहकर का नियोग करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्या ?

पथ की मरम्मती

* 1443. ओमदिल प्रसाद गुप्त— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह अवलोकन की कथा करेंगे कि क्या यह बात यही है कि ग्रामकार जिलानार्गत इन्द्रजापुर नेवारे पथ इन्द्रजापुर ग्राम्य और तरया प्रयोग्य को जोड़ने वाली एवं दो वर्षों से जबर्द है, जिससे आवागमन बढ़त है, यदि हौं तो क्या ग्रामकार उक्त सहकर के मरम्मती का विचार रखती है, हौं तो कवरक, तरीं, तो क्या ?

ग्रामका को पूर्ण करना

* 1444. की ललन फासवाल— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह जललाल की कृपा करेंगे कि (1) क्या यह बात यही है कि उद्दताम जिलानार्गत जनागे ग्राम्य के ग्रामनाम, भज्जी, मदालुग जूकी बनपुरा जपा चनागी विलानार्गत ।। किंमी० लम्बो पथ का नियोग प्रभान मंत्री ग्रामीण सहकर ग्रामका के अन्तर्गत विवृत ग्रामा है तब उक्त ग्राम का वित्तीय वर्ष 2008-09 में एव० पी० स०० लो० द्वारा निविदा आमंत्रित कर कार्य ग्राम्य किया गया है;

(2) क्या यह बात यही है कि संवेदक द्वारा उक्त पथ में मात्र 20 प्रतिशत कार्य कर अमूरा रहा दिया गया है तिससे वहाँ के आम जनता को आवागमन में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त ग्रामों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या ग्रामकार उक्त नियोग कार्य करने वाले संबंधित पर्याधिकारी एवं संवेदक के विरह कार्रवाई करते हुये अभूत सहकर को यूण फरमे का विचार रखती है, तरीं, तो क्या ?

पहुँच पूर्ख का निर्माण

*1445. श्रीमती कृष्णी देवी—क्या मंत्री प्रामोण कार्ये विभाग, यह चलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गण विलासगंत नियन्त्रक विभागी प्रबंध के नियम नहीं में विशेष अर्थ 2006-07 में वित्त उन्नय भूल निर्माण नियम द्वारा 5.25 लाठें वारे लागत से पुल का निर्माण कराये जाया है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुल के पहुँच पथ का नियम अभियाक नहीं किया गया है, फलस्वरूप गाम चढ़ावक, नदान के लांगों को आवागमन में परेशानी होती है;

(3) यदि उपर्युक्त घट्ठों के उत्तर स्वीकार्यात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पुल के पहुँच पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, तो, तो क्यतक, तो, तो क्यों?

श्रीमती पर करार्याइ

*1446. कृष्णी (मंत्री) दावेद—मंत्री मंत्री, प्रामोण विकास विभाग, यह चलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि किशनगंड जिला अंतर्गत लिएगांज प्रखंड के टैक्स नं० ५३१०८८ भवरगा योजना में योजना मं०/अर्थ ०४/१२-१३ के अंतर्गत नियमित वार्ष नं० । इड्डा काग्रसान में लुकारोपण कार्य ४ लाख ५३ हजार ५ सौ प्राक्कलित राशि से जूरे २०१४-१५ में की गयी है जिसमें कार्य प्राक्कलित के उत्तराप नहीं किया गया है, यदि ही, तो क्या सरकार इसकी ओर पाराकर राष्ट्रीय परामिकारी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पूर्ख का निर्माण

*1447. श्री ललित कृष्ण शाह—मंत्री मंत्री, पूर्ख निर्माण विभाग, यह चलाने को कृपा करें कि—

(1) ज्या यह बात सही है कि वरभंग विलासगंत सदर प्रखंड मूरिया ग्रम पंजापत से चौकों रोड नियम ५ (चार) लांगे से जरूर है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त भार०५०-०६० को सड़क जिला की अन्तर्गत महत्वपूर्ण सड़क है, जिसके जरूर होने से हजारों जनता वारे आवागमन में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त घट्ठों के उत्तर स्वीकार्यात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भार०५०-०६० सड़क को पूर्ख निर्माण विभाग में अधिग्रहण कर निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पुल का निर्माण

*1448. श्री यादुल तिवारी—क्या मंत्री प्रामोण कार्ये विभाग, यह चलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर विलासगंत विंहारों प्रखंड के कल्याणपुर चौपायत के कल्याणपुर ग्राम में आवागमन हातु त्रिटिया शासनकाल से ही लोहे का सुन निर्मित था, जो ध्वनि ही नया है, इससे अव्यागमन यात्रित है, यदि ही, तो सरकार कार्यक्रम पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है ?

*144) जीमरी बेदी कमाई—वय मंत्री, खानीम वाणी विभाग, यह बलताने को लूप करने के लिए यह यत्त सही है कि वर्ष 2008-09 में ही राज्य सरकार द्वारा प्रावधान किला मल घा कि यसके सभी गणपातीस-लिंग टोला औ सुख्या सदृक से जोड़ा जायेगा, परन्तु सुखापातपुर जिला के ओच्चा विधाय-सभा बोगालार्गव, सुखार्डी एवं चोखरा प्रदेश मिल गयीका, विश्वनगर, चौदू, विश्वनगर, चारदीपा, जाथा इनार्ड एवं यहाँ से ब्रह्मपाम समय तक लीनिंग-महादिलिंग टोल्स का मुख्य सदृकों से जोड़ा जाना चाहा है, तो उसे लीनिंग-महादिलिंग टोला जो मुख्य सदृकों से लोडने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्यान्वयन करना।

*145) श्री स्वीकृष्ण मिश्र—वय मंत्री पृथि विभाग विभाग, यह बलताने को लूप करने के—

(1) यह यत्त सही है कि ५ जूलाई, 2014 को अंतर्वल जिला में आयोजित मूलयंत्री में निर्माण याजना को चैटक में निवासन विधानक की अनुशासित योजना “जीमी (प्रदेश-प्रांत) के सामने बढ़ी नहर मुल निर्माण” विहार राज्य पुण निर्माण निगम की हस्तांगिति लिया गया है, परन्तु उक्त योजना का कार्यान्वयन अभीतक नहीं हो जाया है;

(2) यह यह यत्त सही है कि विला प्रदानिकारी, अंतर्वल के पालक ६३२, दिनांक ६ अगस्त, 2014 से वित्तीय वर्ष २०१४-१५ के लिये अंतर्वल कुल राशि ५० लाख रुपये भी विश्व सम्बुद्ध निर्माण निगम को छेतानांतरित कर दिया गया है;

(3) यदि उपर्युक्त यत्त के उक्त स्वीकारात्मक है, तो वया सरकार इस योजना को कार्यान्वयन करने का विचार रखती है, नहीं, तो अप्पों ?

संप्रिक वा भूमतान

*146) श्री महेश्वर प्रलाद गाहल—वय मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बलताने को लूप करने की यह यत्त सही है कि बागमती परियोजना के अभीत मुख्यपातपुर जिला के धनीर ग्राम परिवारों द्वाला में आंध देते लोगों जमीन का मुजाहला राशि का भुगतान दो बार जीत जाने के आवश्यक भी अभीतक भू-स्वामियों को नहीं दिया गया है, यदि हो, तो वया सरकार उक्त बौध में जमीन देने वाले भू-स्वामियों की प्रशासनिक गशि का भुगतान जारी का विचार रखतो है, नहीं, तो अप्पों ?

*1452. ओं ज्ञानद शंकर सिंह—क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, वह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलानंगत औरंगाबाद मुद्रणालय को अनुग्रह इप्टर कॉलेज में वित्त सात वर्ष पूर्व भवन का निर्माण हुआ था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त कॉलेज के लिये निर्मित भवन का प्रभार फॉलोइंग प्रशासन को प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके कारण उपर्युक्त कॉलेज को भटन-पाठ्य में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त स्थानों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त संस्कारक उपर्युक्त निर्मित भवन को आलेह प्रशासन को सौंपने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का चौड़ीकरण

*1453. ओं औरंग आहमद—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मधुबनी लिला मुद्रणालय के कोलाचाली चैक में रैयाम-ओमी जीरो माइल-पिसांगो सड़क पथ निर्माण विभाग की सहाय है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क निर्माण एवं जर्जर है, जिससे आप लोगों को आवागमन में असुविधा होती है;

(3) यदि उपर्युक्त स्थानों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क का चौड़ीकरण कर निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1454. ओं उशोक बुमार—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि यह यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलानंगत चारिसमग्र विधान-सभा ने रामनपुर प्रखण्ड अन्तर्गत रजवाहा आम से रजवाहा चौर जाने के लिये सिवाराम जा के दर्श के पास बताए में पुल का निर्माण नहीं होने के कारण स्थानीय सोसांगों को एवं विशेषकर किसानों को आदा-जाही में कठिनाई होती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर आरोपीयों पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की सरमती

*1455. ओं गज कुमार गुप्त—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलानंगत हसनपुर प्रखण्ड के ग्राम-रामपुर पी० डब्लू०ड०० सड़क से शास्त्र ढाला तक सड़क जर्जर है;

(2) क्या यह बात सही है कि वित्त 15 लाखों में उक्त सड़क की सरमती नहीं हुई है, जिससे आवागमन बाधित है;

(3) यदि उपर्युक्त स्थानों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त सड़क की सरमती करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1456. श्री उदयम चावु प्रसाद यात्रा—व्या मंडो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि ग्रामान्तर विलान्तर्गत चकिया प्रखण्ड में सिवनपट्टी बाजार से आरबै० औ० रोड, उच्चोडोड होते हुये ग्रामकरण, चकड़ी पौ० डब्लू० डो० रोड तक को काची सड़क विधुत यो चौथों से ज़रूर है;

(2) क्या यह बात सही है कि बरसात के दिनों में उक्त सड़क पर पानो लग जाता है, जिसके कारण आमतमों को अने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपर्युक्त घटनाएँ के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बरसातक उक्त सड़क का पक्षकीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सर्वेक्षक पर कार्रवाई

*1457. श्रीभूती कृन्दी देवी—व्या मंडो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि यथा जिला के बधानी, सिपरीर पथ की मरम्मती कार्य के दो बड़ी बाद ही कालीकरण उत्थाय रहा है, यदि हो, तो क्या सरकार ग्रामकरण को गतुमार कार्य गृणकर्ता की जाँच कराकर सर्वेक्षक पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चैनल का निर्माण

*1458. श्री नन्द कृन्दा राय—व्या मंडो, लघु जल संमाधन विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत मोतीपुर प्रखण्ड के ठोकहाँ कोठो, कमलपुर, विश्वरील, जाहीरपुर, अंजनाकोट एवं माओपुर गाँव के राजकीय नलकूप चालू हैं, लेकिन चैनल संतिग्रस्त होने से पटवन कार्य नहीं होता है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त गाँवों के राजकीय नलकूप के संतिग्रस्त चैनल का निर्माण कराने का कल्पक विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चूल बनाना

*1459. श्री अधिकारी अधिकारी—व्या मंडो, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बालाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि अरारिया जिलान्तर्गत राजीराज प्रखण्ड के बरवना पंचायत में कल्प धाट में फारियाने नहीं पर पुल नहीं रहने से बरवना, बगुलाना, कोशिकापुर उन्नर एवं कोशिकापुर रक्षित पंचायत के 10,000 (एस. एचआर) आवादी को बरसात के दिनों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि हो, तो सरकार कल्प धाट पर चूल बनाने का कल्पक विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 1460. श्री (डॉ) फैयाज अहमद - क्या मंत्री, पार्मोण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि

(1) क्या यह बात सही है कि मधुसूदन जिलान्दरगढ़ विलक्षण प्रखंड मुख्यमंत्री से ग्राट-भट्टा रामगढ़ तक की दूरी मात्र 1.5 किमी हो?

(2) क्या यह बात सही है कि 1987 चं चावू को विभाषिका में यह सड़क खस्त हो गई थी, जो आपत्तक नहीं बन पाई है;

(3) क्या यह बात सही है कि मात्र 1.5 किमी में तीन जगह शालगढ़ जी के पार के पास भर्टेला भोड़ के पास एवं रामगढ़ के पास चावू में चढ़ा-चढ़ा कटाक हो गया था, जिसपर अनीतक पुल निर्माण नहीं हो सका है जिसके कारण वहाँ के बासिन्दा को प्रशाप्त मुख्यमंत्री तक जाने में 30 किमी मील की दूरी तथा घरनी पड़ती है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर मन्त्रीकाराभक्त हैं, तो सरकार उक्त सड़क एवं कटाक स्थल पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, हीं, तो क्यों?

दासों पर कारबाई

* 1461. श्री (मोरो) तौसीफ आलम - क्या मंत्री, पार्मोण कारबाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला अन्तर्गत बहादुरगंज विधान-सभा लोड के पंचायत गुजाड़ी के काली मंदिर चौक गढ़गाँव में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से सड़क एवं बर्बादी की निर्माण हुआ था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क बनवाने लगा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर मन्त्रीकाराभक्त हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क के निर्माण कार्य की जांच कराने दासों अधिकारी एवं संचालक के विरुद्ध कारबाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पथ का निर्माण

* 1462. श्री जलन पांडियान - क्या मंत्री, पार्मोण कारबाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि गोहताल विला अन्तर्गत सामायम विधान-सभा होठ के सासायम दरिगाँव पथ से रोपूर, चंदूई तो तुर्य गीता घाट उद्धम तक एवं सामायम दरिगाँव पथ में मेहवा नदी तक पथ नहीं रहने के कारण आम जनों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि हीं, तो क्या सरकार उक्त पथों को प्रत्यवान का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

नाला को सफाई

* 1463. डॉ गोपेश कुमार - क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि एव्वी चम्पारण जिलान्दरगढ़ कम्बरिया विधान-सभा नंबर 28 मरोत राष्ट्रव नाला का उसकाई विगत 40 बर्षों से तीन तीनों के कारण लाल्हों किसान बैंक से बोझता है, यदि हीं, तो क्या सरकार उक्त नाला की सफाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

पथ का निर्माण

*1464. ओं अशोक कुमार (208) क्या मरी, पथ निर्माण विभाग, यह बदलाने की कृपा करें कि

(1) क्या यह बात सही है कि सालास जिला अन्तर्गत जिलाधि प्रखंड में निर्माणविभाग द्वितीयों पर इस खेत को मालापूर्ण पथ रखने के बाबजूद विभाग 8 बजे से भरपूरी नहीं हूँ और जबर ही गगा है विभाग आवागमन भूर्णी बंद है;

(2) क्या यह बात सही है कि एिलो तीन बजे से इस तरह का जिला के प्राथमिकता मरी में रहने के बाद भी उसकी भरपूरी नहीं हो सकी है;

(3) यदि उपर्युक्त खाड़ी के तत्त्व उत्पादकात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, मरी, तो क्यों ?

पत्र का निर्धारण

*1465. ओं विद्या साहा कमारी क्या मरी, नामीण कार्य विभाग, यह बदलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि असारिया जिला अन्तर्गत काशविसर्गवि प्रखंड के कुसमाठा पंचायत के कोचड दीला के नामीण सिंधा गढ़े पर गुल निर्माण की स्वीकृति दी रख्य पूर्ण मिली थी, किन्तु अभी तक निर्माण कार्य लौटित है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त गुल का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप चालू कराना

*1466. लोमानी प्रद्या शाहवा—क्या मरी, लघु जल संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तरगंध भारी उद्योगार प्रखंड के महामदपुर, नवाल, सलालपुर एवं अर्नारा पंचायत के राजकीय नालकूप जिला । वर्षे रो बंद है, नलकूप बंद रहने पर उक्त लैंड के किसानों का गहरान करने में कठिनाई जोती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त बंद राजकीय नलकूप की चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बलाशय वा जीणोङ्डार

*1467. दौ० रोबिन शाहवा—क्या मरी, लघु जल संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि बामुर जिला के लालमोपुर प्रखंड में बारदा जाताशय गोजना से किसानों का पटवन होता था, जो अप्री जीर्ण जीणों अवस्था में है, जिसके कारण वर्ष 2010 से पटवन बंद है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त जाताशय का जीणोंडार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूल का निर्माण

*1468. डॉ. शकोत अल्पद यह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कैसा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि काटिकार जिलानालिं फरवरी चतुर्दश के विद्यालय चैरिटी के मिहरुन याम में (बाहर नं० ४) सरजानों के घर के निकट योरी इताम के जास पुल नहीं होने के कारण बाहर एवं अम जलता को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हौं, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर आरोग्यसी० भुम का निर्माण कराने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

मृतों का गुनरीक्षण

*1469. श्री अरुण जूमार (192)—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने को क्या करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बी०पी०एल० और ए०पी०एल० मृतों को वर्ष 2007 में अद्वितीय गया है जिन्हें विवर १ अप्र० जो अवधि में जनसंख्या में बढ़ि तथा बी०पी०एल० और ए०पी०एल० में दूसरोंबाद सांगों को आम में बुढ़ा या हास हुई है, यदि हौं, तो क्या सरकार बी०पी०एल० और ए०पी०एल० मृतों का गुनरीक्षण कर अप्रत्यक्ष तरीके का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

पद संभालने वालों द्वारा वैधिकता

*1470. डॉ. संजय जायडाला—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने को क्या करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि विहार महिला प्रसार पदाधिकारी, संवर्ग निगमानाली, 2008, जिलांकु द विसम्बर, 2008 की अधिकारीता हुई है जिसमें महिला प्रसार पदाधिकारी का पद संवर्ग एवं उत्तीर्ण है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नियमान्वयन में महिला प्रसार पदाधिकारी को प्रांगनति हेतु कोई पद संभालने निर्धारित नहीं होने के कारण आपरेंस महिला प्रसार पदाधिकारी का मूल पद से ही संचानित होना पड़े रहा है ;

(3) यदि उपर्युक्त खबरों के ठिक स्वीकारणमुक्त हैं, तो महिला प्रसार पदाधिकारी को प्रांगनति हेतु पद संभालने वालों द्वारा का क्या अधिकार है ?

पथ का जीणोंद्वारा

*1471. डॉ. हस्तियाकान मिहें—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृषा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालंदा जिलानालंदा गांधीण कार्य प्रमणइल, हरनौल के हरनौल प्रखण्ड अंतर्गत ग्रामीण कार्य पथ बोधनगढ़ से जीर्णोपा तक जिसकी लम्बाई लगभग दो किमी० एवं गोनालों नियाय लोक निर्माण पथ से संदर्भपूर्व तक लगभग ढेहु किमी० पथ जर्जर है, जिससे आमलोंगों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हौं, तो क्या सरकार उक्त पथ का जीणोंद्वारा कराना चाहती है, तरीं, तो क्या ?

लिपट परिणाम को भूविधा देना

*1472. श्री प्रह्लाद यादव—कथा मंजी, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करने कि क्या यह चात सही है कि रायगढ़ीसहयोग जिला के सूर्यगढ़ प्रखंड के टारलपुर, माणिकपुर, अरला पूर्वी सुलेमपुर पंचायत गरखे नदी के बगल में बसा हुआ है, जहाँ सिंचाई को कोई साधन नहीं है, यदि हाँ, तो क्या ?

सहक का निर्माण

*1473. श्री कमार मार्विकोत—कथा मंजी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह यत्तराने की जूषा यहाँ कि—

- (1) कथा यह चात सही है कि यह जिलान्तरी फतेहपुर प्रखंड के गुरुण भूषण सहक से गोप्य और कौदिया ग्राम तक सहक नहीं है ;
- (2) कथा यह चात सही है कि उक्त स्थान पर सहक नहीं होने से आम जनता को असाधारण में कठिनाई होती है ;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कथा सरकार उक्त स्थान पर सहक निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो क्यतक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1474. श्री नैशाल आलम—कथा मंजी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की जूषा करें कि—

- (1) कथा यह चात सही है कि किशनगंधि जिला के ठाकुरगंधि प्रखंडान्तरी सोमावरी खेड गलागिला से छुम्हार टोली तक चौ०४०डी०पी० के तहत सहक निर्माण कार्य हुआ है ;
- (2) कथा यह चात सही है कि उक्त पथ पर कुमार टोली के पास पुल नहीं होने के लिए सोमावरी खेड के लोगों जी असाधारण में कठिनाई उत्पन्न हो रही है ;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कथा सरकार उक्त स्थान पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का घरमती

*1475. श्री मंदालल चौधरी—कथा मंजी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा यादें कि

- कथा यह चात सही है कि मुग्रे जिला के असरांज प्रखंड अन्तरी पंचायत में छाड़वा गाँव से साही गोद तक की सहक जर्जर है, जिससे स्थानीय लोगों को आने जाने में असुविधा होती है, यदि हाँ, तो कथा सरकार उक्त सहक का घरमती कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो क्यतक और नहीं, तो क्यों ?

कटाव से बचाव

*1476. श्री भोला यादव—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि दरधंगा जिला के बहादुरपुर प्रखंड अंतर्गत दरगाहपुर पंचायत उम्मा (महापरा) के पास कमला नदी के किनारे दलित टीएला चमा हुआ है :

(2) क्या यह बात सही है कि नदी में मांड के घास इनित वस्ती का कई घर कटाव के कारण नदी में फिली हो गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खेड़ी के उत्तर स्वीकारामक है, तो क्या सरकार उभा स्थान पर कटाव रोधक काये करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दोषी पर कारेवाई

*1477. श्री (मो०) तीसोफ आलम—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किशनगंज जिला के बहादुरगंज विधान-सभा सेव अंतर्गत पंचायत लौक में प्रधानमंत्री ग्राम सङ्कर सोबता अंतर्गत बोगटाली बोचागड़ी सङ्कर निर्माण चल रहा है, जिसका निर्माण स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार नहीं हो रहा है, यदि तो, तो क्या सरकार उक्त सङ्कर निर्माण काये को जींच कराकर सङ्कर के विरुद्ध कारेवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सङ्कर की मरम्मती

*1478. श्री अणोक कमार सिंह (224)—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलानगरीत रापीगंज प्रखंड में रापीगंज-कासमा पथ उत्तर है, जिसमें ग्रामीणों को आवागमन में छठिनाई होती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सङ्कर की मरम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जींच कराना

*1479. श्री कंदार प्रसाद गुप्ता—क्या मंत्री, सन्धु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सुजपहरपुर जिला के कुदनी विधान-सभा होते अंतर्गत सकड़ी, मरीपा पंचायत में घाम-सुकरी, नंदलालपुर अंतर्गत 64,00,000 ₹० की राशि से तालाब का सीन्ड्यॉकरण कराया जा रहा है, जो मानक के अनुरूप नहीं हो रहा है, यदि हो, तो क्या सरकार इस गोजना की जींच कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप की मरम्मती

*1480. श्री रमेश माई—क्या मंत्री, सन्धु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सहरसा जिलानगरीत सोनारपांड प्रखंड के राहपुर पंचायत एवं धर्घीसी परिचमी के जभी नलकूप विगत तीन बर्षों से खुराब रहने से किसानों को सिंचाई में काफी छठिनाई हो रही है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सभी बंद नलकूपों को मरम्मती कराकर चाल कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक का निर्माण

*1481. श्री विनय चिह्नाती—क्या मंत्री, पर्याय मिमोण विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि परिचमी लग्नापाण फिला के बैलिया स्थित पश्चिमपुर में नवनिर्मित अक्षर फिल महालगा बुद्ध संग्रह तक स्टेट हाईवे के लिनोल को खोला । । नवम्बर, 2012 को किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त मदृक पाँच विधान-सभा लेंब बैलिया, जलपटिया, सौंरिया, चाहा और चाल्पीकिनार महिल घिहार से पूर्णी० का जाइती है ;

(3) यदि उपर्युक्त छोड़ो के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सहूक का निर्माण तारीख इसी वित्तीय वर्ष में शुरू करवाए चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1482. श्रीमती गुलजार देवी—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि क्या यह बालाने है कि माधुरीनी फिलान्तरी खोलाडीहा एवं मधेपुर प्रद्वाहि स्थित लिलानिया में उद्यम मुसहरी (मुन्दर विराजित पंचालग) तक मधुरीनी गाम सहूक गोदना से सदृक का निर्माण हो चुका है, एवं तसे सहूक में खेड़ीमा नदों पर पुल निर्माण नहीं होने से आवागमन में कठिनाई तो रहती है, यदि हाँ, तो जला सरकार उक्त पुल का निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रोन्नति देना

*1483. श्री दिनकर राम—क्या मंत्री, पर्यावरणीय उन्न विभाग, यह बालाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि फिला परिवर्द् जनीय अभियंता, सहायक अभियंता भवा भव्याग नियमावली 2000 के अनुसार गठन के फिला परिवर्द् के कर्नीय अभियंताओं को सहायक अभियंता के पार पर ग्रान्ति दिये जाने हाँ या विभागीय समिक्षक की अध्यासता में एक प्रोन्नति समिक्षा का गठन का तरी में दो चार बैठक कर सभी पात्र कर्नीय अभियंताओं को सहायक अभियंता के पार पर ग्रान्ति दिया जाना है ;

(2) क्या यह बात सही है कि 16 वर्ष, पूर्ण नियमावली का गठन कर दिये जाने के बावजूद आजतक यात्र एक वर्ष प्रोन्नति समिक्षा को बैठक वर्ष, 2011 में हुई है, जो नियमावली का उल्लंघन है ;

(3) यदि उपरोक्त खोड़ों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्रोन्नति समिक्षा को बैठक करकर सभी पात्र कर्नीय अभियंताओं को प्रोन्नति देने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, तहों, तो क्यों ?

* 1484. ओमसी लेशी मिंह—वया भंडो, चलन चल निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वया यह बात सही है कि पूर्णिया-भस्तुहा-रूपौली राजकीय पथ पर अवस्थित काशा चौक, मोराव चौक तथा भस्तुहा अनुभव्हाले भुखसालप चौक पर सड़क किनारे नाला निर्माण नहीं होने से बदलाव में सड़क पर जल-चाल ही आता है, जिसके कारण जामलोंगों को आवासन में कठिनाई होती है, यदि हो, तो वया सरकार इकते स्थलों में सड़क किनारे नाला का निर्माण करने पर क्या विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल (क) निर्माण

* 1485. ओमती लेशी मिंह—वया भंडो, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वया यह बात सही है कि पूर्णिया जिलान्तरीत कोनगर प्रखण्ड अधीन पुल निर्माण निर्माण द्वारा हरदू सुल से देवको मोहनपुर जाने वाली पथ, जयप्रकाश नगर भहारसिंह टोला जाने वाली पथ तथा सहरा सुल टोला जाने वाली पथ में पहुँचे वाले धर, पर तीन अलग-अलग सुल बनाये गये हैं, सेकिन उक्त तीनों पुल के निर्माण में संबंधक द्वारा गुणवत्तापूर्ण तारें नहीं कराया गया है, यदि हो, तो वया सरकार उक्त तीनों पुल के निर्माण में गुणवत्ता की जाँच जारीने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

आवास का निर्माण

* 1486. श्री चन्दन कुमार—वया भंडो, भवन निर्माल विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वया यह बात सही है कि छगड़िया जिलान्तरीत प्रखण्ड अलीली के प्रखण्ड-कार्यालय का भवन एवं प्रखण्ड कार्यालय के आधिकारियों एवं कर्मचारियों का आवास जर्ब हो चुका है तथा चहारदीवारी छस्त हो चुका है, परि के आधिकारियों एवं कर्मचारियों का भवन एवं प्रदानिकारियों/कर्मचारियों के आवास निर्माण करने पर का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राशि जा आवर्टन

* 1487. श्री लालित कुमार यादव—वया भंडो, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) वया यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तरीत उप विकास अल्पकृष्ट कार्यालय का पथके 946/15, दिनोंक 26 मई, 2015 द्वारा कालानार प्रभावित लोभुकों को इदिया आवास के तहत प्राप्त राशि 22,70,000 रुपये से कुल 76 लाभार्थियों को प्रथम किस्त की राशि 19,77,000 रुपये का मुगालान किया गया है;

(2) वया यह बात सही है कि 2,93,000 रुपये राशि को सामान्य इन्हिरा आवास से समाचारित कर दिया गया, किन्तु दिनोंतन बकान कार्य सुर्णी कर लिया है, उनका द्वितीय किस्त की राशि का भुगतान नहीं हो पाया है;

(3) यदि उपर्युक्त खाड़ों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो वया सरकार उक्त लाभार्थियों का द्वितीय किस्त जो राशि भुगतान सामान्य इन्हिरा आवास की राशि से करने का विचार रखती है, हो, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नरकूप का चालू बरना

*1488. श्री अरुण कमार (75)—क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बत सही है कि सहरसा जिला में लगे एक दो सात ग्रामीय नरकूप चंद हैं, जिसके कारण किसानों को खेत का पटवान समस्या नहीं होता है, यदि ही, तो सरकार चाहतक उक्त नरकूपों को चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बकाये का भुगतान

*1489. श्री उमेश कमार—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्ण अध्यायण जिला के मौतिलारी प्रखण्ड अन्दर्गत टिकुलिया पंचायत के हराजपुर महादलित वस्ती के अलंदव गाँड़ी, मीनारेयी, मु. छटीचा देवी सहित 130 मनदेगा मजदूरों की मजदूरी का यैक खाता वर्ष 2011 में बदलने के आवश्यक अवधतक भुगतान नहीं किया गया है, उक्त मजदूरों द्वारा बनपालक एवं बनापोदक के रूप में बार्य किया गया था तथा उनका शुगतान 2013-14 से लिया है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त मजदूरों का बकाये का भुगतान बासाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

*1490. श्री अच्छीमत चांपटेक—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बत सही है कि असरिया जिलान्दर्गत रानीगंज प्रखण्ड के बगुलाहा पंचायत के राजस्व मीजा बड़हरा में फरियाने नहीं पर भुल नहीं रहने से बरसाता के दिनों में कोशिकापुर उचार, कोशिकापुर दोक्कण, बेलसारा, मझुआ पंचायत के करोंब 5000 लोगों का आवागमन का नार्ग अवश्य ही जाता है, यदि ही, तो क्या सरकार बहुत में फरियामी भव्य पर भुल रहाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

रड़क का निर्माण

*1491. श्री मत्वदेव निह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बत सही है कि असरल जिला अन्दर्गत विधान-सभा क्षेत्र कुर्थी को करपी प्रखण्डान्दर्गत ग्राम तितिया से जौहर भाड़ तक तीन किमी० लम्बी सड़क निर्माण हेतु वर्ष 2010-11 से ही आई०ए०पी० योजना से स्वीकृत है और जिसमें डेव करेड रूपया आवंटित है, यदि ही, तो क्या सरकार आई०ए०पी० योजना के आवंटित रूपया से उक्त सड़क का निर्माण कार्य कराती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1492. श्री उमेश मिह कृष्णवाहन - कवा भर्ती, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह चात सही है कि वैशाली जिलान्तरगत महानार प्रखड़ के नारायणपुर डेडपुर में अन्न खाल यथा के घर के निकट वाया भर्ती पर एवं चासेश्वर चौधरी के घर से वैसिंग दिवर जानेवाली सड़क से छोटा धाव पर पुल नहीं होने के कारण लोगों को आवागमन में काठनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थानों पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, तहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1493. श्री विजय बुधार मिशन - कवा भर्ती, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह चात सही है कि लखीसराय विलान्तरगत हलसी प्रखड़ के चारदोखान ग्राम से पूरब भूमि नदी में बरसात में पानी बहने के कारण इस गाँव के लोगों को अपने पर्वायत के ही दूसरे गाँव में जाना मुश्किल हो जाता है;

(2) क्या यह चात सही है कि ग्राम बरदीखान में पूर्व भूमि नदी में पुल नहीं होने से इस पर्वायत के सेतुमा, सलाली, बागितपुर आदि गाँवों से आवागमन में असुविधा हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त घाँटों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कवा सरकार उक्त स्थान पर पुल निर्माण का विचार रखती है, यदि हाँ, तो क्यतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*1494. श्री ताराकाशोर प्रसाद - कवा भर्ती, ग्रामीण कार्य विभाग, यह फतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह चात सही है कि ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, कटिहार में पौ०एम०जी०एस०वै० अंतर्गत चर्च २००७ में ऑफीशल कार्य रजिस्ट्री एन०ची०सी०मी० द्वारा हस्तान्तर से द्वाशय ४.१२५ किमी० एवं छारटायारी-सोनेसी पथ से महज २.६१ किमी० तक ग्रामीण पथ का सुदृढीकरण एवं कालीकरण का कार्य प्रारम्भ हुआ था;

(2) क्या यह चात सही है कि आठ दर्शों बाद भी आजतक उक्त पथ का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है तथा दोनों पथों का अधिक निर्माण कार्य भी प्राक्कलन के अनुसार एवं गुणवत्तापूर्ण नहीं होने के कारण नवानिर्मत सड़क भी बर्बर हो चुका है;

(3) यदि उपर्युक्त घाँटों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त दोनों पथों को चालू वित्तीय चर्च में निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो क्यतक, नहीं, तो क्यों ?

*1495. बी सूखरीय भिंडी- क्या मंजी, ग्रामोप व्याप्रविभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि वह यह जात सही है कि अखल जिल्हा अंतर्गत कुच्छ प्रस्तोङ्क के शाम-लारीगढ़ में शाम-सुही सेक पुनर्पुन चर्दी पर नवनिर्मित पुल मालेशुर से शमीला ईश्वराह तक यह- शाम-सुही से पिरती नहीं तक यह क्या क्या नहीं हुआ है, जिससे ग्रामीण जलसा को आकृष्णित करना पड़ रहा है, यदि है, तो क्या सहकार उक्त पर्यावरण का निर्माण कराने को विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1496. बी विद्या रखगर कोभारी- यहा मंजी, ग्रामीण व्याप्रविभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि--

(1) यह यह यह यही है कि आरिय जिल्हा के आरियसाह प्रस्तोङ्क के पिस्ता पंचायत के पिण्ड गट के परमान नहीं यह पुल नहीं है;

(2) क्या यह यह सही है कि यहा यही यह पुल का निर्माण नहीं होने से असीका, कूसलाला, पिपरां पंचायत के आम जनता को जलवायन में कठिनाई होती है;

(3) यदि उपर्युक्त लौंदों के उत्तर ख्योकाशलाला है, तो क्या यहार पिस्ता घाट पर पुल का निर्माण कराने का विद्या रखती है, तो, तो क्या क्यों ?

*1497. बीमती समाज इर्ही- क्या मंजी, ग्रामोप व्याप्रविभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह यह यह यही है कि यहा जिल्हान्तरी बोधगम्भी प्रस्तोङ्क के शाम-डोभी के हड्डी फैचटी से गैरा सोदा सोता यह सहकार करनी है, यदि है, तो क्या सहकार उक्त सहकार का पक्काकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1498. बी शाम रणधीर- क्या मंजी, पर्यावरण विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह यहा सही है कि पूर्वी बम्परण जिल्हा में भूखल एवं चौक विभाग-सम्पादकों जोड़ने वाली रद्दक में नियमिती गौत्र के लाली जलवायन घट पर पुल निर्माण नहीं होने से अवकाशान आविष्ट है, यदि है, तो क्या सहकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रदेश का चीणोंदास

* (499). श्री सर्वांब नंदन—वया मंडी, लखु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या वह यात माती है कि यथा जिला के मुख्यमान प्रधान अन्नगत बिहार पर्दन का वर्षे से सफाई नहीं होने के कारण इसका स्वरूप छोटे रूप में हो गया है, यदि हो, तो यथा सरकार उक्त पर्दन का चीणोंदास कराने का विचार लाना है, नहीं, तो क्यों ?

सहृदय का एककोक्षरण

* (500). भीमगी रमला देवी—वया मंडी, आर्मी फर्म विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह यात माती है कि यथा बिल्डर्सपॉर्ट मौजूदनपूर प्रधान के सिरीजमा पत्रालय के घर-घटाएं से रिपोर्ट तक गढ़क उच्ची है, यदि हो, तो यथा सरकार उक्त सदृक का एककोक्षरण कराने का विचार लेना है, नहीं, तो क्यों ?

एवं वक्ता निम्नलिख

* (501). श्री दिनकर राम—वया मंडी, आर्मी विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या वह यात माती है कि सीतामढी विलानदारी भजरांव प्रधान के हारपुर कला ग्राम में भक्तजीर गग के पास किंतु भगा में दुमरो कला में दुर्घटन प्रसवान के बारे लक्षण तथा उमरी सुर्द याम में रव० शीलेन्द्र माहान सिंह के घर के पारिषद्यम नहीं और लालकला, लालदासो, भोजपुर जनवाली हैट सोसाइट सहृद जर्से है, जिसमें वहन यांगों नाम आवश्यकता में कठिनाई होती है, यदि हो, तो यथा सरकार उक्त योग्य पर्याप्त विधान कराने का विचार लेनी है, नहीं, तो क्यों ?

नियमागुकूल सुविधा देना

* (502). श्री (मोह) नवाब आलम—वया मंडी, अस संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह माता माती है कि चिहार स्टेट को अधिकारिय मिल्क फॉर्मरेशन (आमंड) के लालकाल दूम देने के अनुमति कार्यरत मजदूरों वाले स्वास्थ्य योग्य योजना, अवकाश दैनिक मजदूरी मात्र 26 रुपये भावी मरियाएँ नहीं मिल रही हैं;

(2) व्या यह चात मही है कि कैंकटो नियमानुसार भवीत में चार दिन का अवकाश एवं 30 दिन का बेतन दिया जाना है, परन्तु आप देखते कानूनिय संघरण में चारों दिन का 165 दिन काये करना पड़ रहा है;

(3) यदि उक्त व्यापारों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो व्या सरकार आप देखते में कामसत मबद्दलों को नियमानुसार सुविधाएँ दिलाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चौथे चा. नियांण

*1503. श्री संजय कुमार दिग्गज उप्रां मना विभागी व्या मंत्री, यह चात समाधान विभाग, यह वालासे की कृपा करेंगे कि क्या यह चात मही है कि प्रबन्ध विभाग औ प्रबन्ध विभाग-सभा में आवृत्तिपूर्वी गौव द्वारा गौव तक एक सेन्टल जेल से इमश्यान घाट तक गौव नदी से कटाव हो रहा है, यदि हाँ, तो व्या सरकार उक्त गौव को गौव मध्य के कटाव से बचाने के लिये चौथे पांच वर्ष नियांण वास्तव चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

साढ़े चात विवाद

*1504. श्रीमती गृष्णी देवी व्या मंत्री, ग्रामीण विभाग, यह चातलासे की कृपा करेंगे कि—

(1) व्या यह चात मही है कि सौतामडी विला के परिवार प्रबुद्ध अंतर्गत सिरसिया से दियाही, विष्णुपुर, फुललला, विष्णुपुर से परवाहा, रामभेलाही से अन्दौली, रामभेलाही से बबुरवन-विरिसा लिक पथ में राहूक रेतमांग नहीं हुआ है;

(2) व्या यह चात मही है कि उक्त जगहों पर साढ़े नहीं होने से आम जनता को कठिनाई देती है;

(3) यदि उपर्युक्त चाहों ने उत्तर दियोकरात्मक है, तो व्या सरकार उक्त गौव में साढ़े यनाने का नियांण रखती है, हाँ, तो क्यतक, नहीं, तो क्यों ?

राहूक का नियांण

*1505. श्री गौरव कुमार—व्या मंत्री, यह समाधान विभाग, यह चातलासे की कृपा करेंगे कि व्या यह चात मही है कि कठिनाई विला के चारों प्रबुद्ध अंतर्गत गुरमेला से काढामेला घाट होते हुवे एनोखक, चम्पिया तक चौथे पर पक्की साढ़े का नियांण नहीं होने से आमजनों को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो व्या सरकार उक्त चौथे पर पक्की साढ़े का नियांण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप चालू करना

* 1506. श्री राहुल तिथ्यारी क्या मरी लालू जल संसाधन विभाग, यह जलसाने को कृपा करें कि क्या यह यात्रा मही है कि भौजपुर जिलान्वयं शाहपुर विधान-सभा क्षेत्र के अन्वयं कुल 142 बलबूष्टि में से मात्र 12 बलबूष्टि ही कार्यस्त हैं और शेष 130 बलबूष्टि बंद हैं, जिसके कारण किसानों को सिंचाई में आसानीया नहीं है, यदि ही, तो सरकार कर्यालय बंद रहे तबते 130 बलबूष्टि भौजपुर का विचार एव्हरी ही, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

* 1507. श्री गणेश नंदन क्या मरी 145 निर्माण विभाग, यह जलगाने को कृपा करें कि क्या यह यात्रा मही है कि गया जिला के कार्यपालक अधिकारी, पथ निर्माण विभाग, शैलायडी के पत्रोंक 356 अनु०, दिनांक 23 मई, 2015 द्वारा गया रफीगंज रंगड़ के टेंडर स्वीकृति के लिये 445 निर्माण विभाग, लटा को भेजा गया था, किन्तु आठ माह भौत जाने के बाद भी पथ निर्माण विभाग, पटना द्वारा न तो टेंडर की स्वीकृति दी गयी और ना तो नह किया गया, यदि ही, तो कहा सरकार उक्त पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 1508. श्री विजय कुमार 'विजय' क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह जलसाने को कृपा करें कि क्या यह यात्रा मही है कि भौंगर जिला अंतर्गत प्रयांट चत्तिवारपुर के घारापुर दिल्ली पुल का निर्माण काले खण्ड तीन बर्फी से बद है, जिसके कारण गाड़ियों का परिवालन बंद हो गया है, यदि ही, तो सरकार कर्यकार इस अनुर्विमित पुल का निर्माण करवे पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का जीणोंदार

* 1509. श्री विजय कुमार मंडल क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह जलसाने को कृपा करें कि क्या यह यात्रा मही है कि अररिया जिलान्वयं मिकाटी प्रखण्ड के सिकटी औ इलाली एव्हरी(एम), मिहरी पथ किंग धौंध बर्फी से जर्जर है, जिससे आवागमन में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ का जीणोंदार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1510. श्री अश्विनी राजमान् बता भवते, कल संसाधन विभाग, यह वर्तमान को कृपा करें कि क्या यह बात मही है कि अट्टरेख विला अनुसार हड्डिया पचापत के 95 प्रतिशतांशी बैलाल तुल के टोफेटर द्वारा तोड़ दिया गया है, चाहि हौं, तो क्या सरकार उक्त मूल या निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

प्रतिक्रिया में वर्चाय

*1511. श्री अमरनाथ गांधी—कृपा भवते, अब संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात मही है कि वर्षागत विला के आधारात प्रदान के कलामपुर याम पर्याप्त के अनुसार याम में विभाग एक बर्दे से नहीं बा फाइबर द्वा दिया है;
- (2) क्या यह बात मही है कि उसके बाबत से आइडीओए बदल एवं नई चर प्रमाणित हुए हैं;
- (3) अदृष्टपूर्वक घटणाएं उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या उत्तर उक्ते याम पर कठाय निरोद्धक याम करने के विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

प्रतिक्रिया देताना

*1512. श्री अनन्देन ब्रह्माद् बता भवते, नमु जल संसाधन विभाग, यह चालकों द्वारा यारंग मि—

- (1) क्या यह बात मही है कि वर्तमान जल के एकमेस्त्रात्म प्रदान एवं विलाल प्रदान एवं नियन्त्रण विभाग से भारत-नालंदा लिंगार्ड याजना के चाली और जेवसी एवं हिकामा प्रदान द्वा बैन से विचार करने में 2001-02 से छोड़ रही है;
- (2) क्या यह बात मही है कि उस अनुसार जल के एकमेस्त्रात्म के आइसो रद्दी रेत में अपोप्त जल में सिंचाइ योग्य भावों नहीं आ रही है;
- (3) अदृष्टपूर्वक घटणों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चाली एवं तेहसी फैत में विचार ग्राम्य यामात् यामी लाने के लिये बारे प्रभाग बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

प्रतिक्रिया देताना

*1513. श्री फैसल राज्यालय—कृपा भवते, अब संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात मही है कि पुरी जम्मारण जिलामत्ताना विभाग विभाग जलका विभाग नियोजन भवन के निर्माण कार्य एक साल पूर्व किया गया है, फिरने उपर भवता एक साल गे ही जलरे हो गया है, चाहि हौं, तो क्या सरकार उक्त नियोजन भवन के निर्माण छाया जाए वाम नियोजन भवन पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

अधिकार करने का प्रणाली जरूरी

*1314. श्री (मो.) नवाज़ अलीम— यह मंत्री, भद्रम निम्नज्यु विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि यह बात मही है कि अब जिला जा जाता समाजसेवालय भवन का नियंत्रण कार्य दिसम्बर, 2014 में पूरी करता है, फिर उभी इक अधिकार करेंगे हैं, यदि ही तो उपर समाजसेवालय भवन के अधिकार की पूरी करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

वौधार वा नियंत्रण

*1315. श्री दलभिंशार विजय— क्या मंत्री, तरीं जल सम्पद विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात मही है कि अमंत्र विवरणाते जैवानु प्रदान के पुस्तकालयमध्ये जैव के दौधारी गतिशीली जरूरी में जैव नहीं यहने के कारण जिम्मेदार को सिर्फ़ इस बाहिरी हातों में बांध ही, तो क्या आवश्यक उक्ता स्थान यह चीज़ जा नियंत्रण करने का विचार रखती है, तरीं, तो क्यों ?

फूल का नियंत्रण

*1316. श्री विनोद चतुर्मुखी— क्या मंत्री, जलाधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात मही है कि प० चालाणग विलोनगत उत्तरायणगत विभाग सभी लेज की समृद्धि परिवर्तन के साथ-साथ बढ़ाव देने के कारण आम जनजीव को आवश्यकता होती है, यदि ही तो क्या ताकड़ी उक्त व्यावरण पूर्ण नियंत्रण उत्तरायण विभाग रखती है, तरीं, तो क्यों ?

वौधार वा नियंत्रण

*1317. श्री मर्याद यादव— मंत्री मंत्री, जल समाधार विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात मही है कि भावानु विवरणाते बढ़ाव देने के पीछापासी, मानवानु ज्ञान जीवों में विद्या-स कठाव हो रहा है, यदि ही, तो क्या आवश्यक उक्त गति को कठाव से बचाने हेतु वौधार वा नियंत्रण कराने का विचार रखती है, मही, तो क्यों ?

पौर एवं राजा ज्ञानानन्द

*1318. श्री गमदेव राज— क्या मंत्री, जलाधार विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि (i) क्या यह बात मही है कि मध्यराम में नियाविका विचायक उक्तकालीन संशोधक (प०० दो० व००) जैव ज्ञानगत गोवारी संबंध (प०० आर० एम०) का २०११, २०१२ में इनका लिया मानदण्ड गांधी से पीछाफ़ की कठौटी चो जा रही है;

(ii) क्या यह बात मही है कि खुद (i) में वर्णित कमिष्टी के चांदे जो० एक० ज्ञान ज्ञानी ही पीछाफ़ राखे जो काठीनी जो जा रही है, जबकि फिरी भी उभों को दियमानमार जो० एक० ज्ञान ज्ञानी के बाद ही जो० एक० गश को काठीनी जो जानी है;

(iii) क्या उम्मीद क्षेत्रों के उत्तर ज्ञानाधारणक हैं, तो यह समाजसेवा उक्त वर्ष (i) में वर्णित कमिष्टी को जो० एक० ज्ञान ज्ञानवाने का विचार रखती है, मही, तो क्यों ?

*1510. श्री मूलाच यादव—क्या यहो पथ निर्माण विभाग, यह बहालने को कृपा करें कि यह यह
बात मही है कि मधुघनी जिला के इंसारपुर प्रखंड के एन०एच० ५२ में महश खलान से एन०एच०आई०
५७ वर्ड जोड़ने वाली पथ में निर्माण जारी रखा है, जबकि उह पथ इंसारपुर से मधुघनी को जोड़ती
है, तोह तो, तो क्या सरकार उका पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ कर विचार रखती है, नहीं, तो क्या?

आवागमन बहाल करना।

*1520. ओ जय वर्षन यादव—क्या यहो निर्माण विकास विभाग, यह बहालने को कृपा करें कि

(१) क्या यह यह यही है कि पटना जिला के दुलहोन बाजार प्रखंड में दुलहोन बाजार डिहली पथ
विश्व घाम नहीं में यानी का निकासी विश्व ताल बर्षी से डिहली पथ पर किस जा रहा है;

(२) क्या यह यह यही है कि नाली के यानी का निकासी सालक पर हान में सड़क गढ़ो में तर्कीन
हो गया है और जगह-जगह जीचड़ एवं जल-बमाव सालों भर रहा है, जिसमें पौध पंचायत के लोगों का
आवागमन भेदभाव है;

(३) यदि उपर्युक्त गढ़ो के ऊपर स्वीकारारम्भक है, तो क्या सरकार नाली जा निर्माण कर जल-जमाव
में मुक्त करें हुये दुलहोन बाजार डिहली पथ पर आवागमन बहाल करने का विचार रखती है,
नहीं, तो क्या?

नलकूप जाली करना।

*1521. डॉ. रमानुज इसाह—क्या यही, तथा जल सम्पादन विभाग, यह बहालने को कृपा करें
कि क्या यह यह मही है कि सारण डिस्ट्रिक्ट सारपुर विभाग सभा बेप के गाँवनदेव, गोपालपुर, यातापुर
लालनादेव, कुररो, झाँवा, भरपुर, मिलापुर, तांगजल, सपलपुर, पश्चिमी भाँड़ गाँवों में स्थापित राजकीय
नलकूप (१५) जर्सी विश्व एवं आविक दोष के कारण खंड है, यदि है, तो क्या सरकार उक्त ग्रामों के राजकीय
नलकूपों तक विशुलापूति एवं आविक दोष हुये जाल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या?

सङ्केत का अवकाशकरण

*1522. श्री मुनील कुमार—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतापट्टी जिलान्तरगत डूसरा प्रखंड के भेहसील गोर पंचायत के पुपरी रोड से चन्द्रिका गम के घर होते हुये माई स्थान तक सङ्केत करती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सङ्केत का अवकाशकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

*1523. श्री मुजाहिद आलम—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किशनगढ़ जिलान्तरगत कालाघामन प्रखंड के मस्ताम चौक से बरवहा चप्प तक पथ निर्माण विभाग की सङ्केत में मोर्छी डाट के निकट भूमी कोरी नदी पर बना स्कूलपाल पुल का पारी जबर हो रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुल से बहे बाहनों का परिचालन चन्द्र है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्थीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त जबर भूमि पाल पुल के स्थान पर आरो सो(सो) पुल बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1524. श्री अख्तरसल्लम इसलाम शाहीन—क्या मंत्री, पंचायती ग्राम विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तरगत समस्तीपुर प्रखंड के पंचायत रहिमपुर, रूपेली, लगुनिया, सुर्यकाठ, पंचायत बेसाही, पंचायत हरसुर, एलौष, पंचायत मोहनपुर एवं आधारपुर में पंचायत सरकारी भवन नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पंचायतों में पंचायत सरकार भवन नहीं रहने वाले के लागे को भारी पराणियों का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्थीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण कार्य कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

*1525. श्री जिवेश कुमार—क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिलान्तरगत जाले प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी का आवासीय भवन जबर है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त प्रखंड के ऊपर ब्रिंगा पट्टा का आवासीय भवन निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल के नियमों

*1526. श्रीमती बेंची कामार्ची—क्या यही जल संवाधन विभाग, यह अवलोकन की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मुख्यमन्त्री नियान्त्रण बुद्धि गैडक नदी पर चंद्रविहार चाट पर आयम फ्राट पर दो बांध पूर्व पूल का नियमण का जारी प्रसंभ किया गया है, उक्त दोनों पुलों के नियमण कार्य गोप्यकरण के अनुरूप नहीं हो रहा है एवं जारी मति बदल हो भी सी है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त दोनों पुलों की गुणवत्ता को औंच एवं नियमण कार्य समाप्त पूर्ण करता चाहता है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूर्ण करना

*1527. श्री बद्रेश कमार गाप्त—क्या यही, एवं नियमण विभाग, यह अवलोकन की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि सुप्रीम निलो के पिपरा प्रबंध के ग्राम-नियमण एस(एस) 76 से एस(एस) 106, ग्राम-सरकारियों को ज़ंजिरे लानी पिला नियमद के सदूक विसको दर्शाय । 15 पिला 100 से अधिक 106, ग्राम-सरकारियों में रहने से आप दोनों को नियान्त्रण में कठिनाइयों का सामना लाना पड़ता है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त सदूक को पर्याप्त विभाग में अधिग्रहित कर नियमण कार्य पूर्ण करने का निचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छिलका जा नियमण

*1528. श्री विजय कमार “विजय”—क्या यही, जल संवाधन विभाग, यह अवलोकन की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि सुप्रीम निलो के प्रायिकारपुर उपर्युक्त के कालहडिया दक्षिणी प्रभापत के पिपरा के घाम भागी रही में छिलका भागी रहने से निलो को विचार करने में कानूनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार भागी नदी में छिलका नियमण करने वाला विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

*1529. श्री मुजाहिद जालम—क्या यही, ग्रामीण कार्य विभाग, यह अवलोकन की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि निशानगाव निलोनगर को सामाधार प्रबंध पर रहमताबाद से लाहानगर प्रधानमंत्री सदूक के महुआ गोब के निकट महुआ पाट पर पुल नहीं रहने के कारण लोगों को अव्याप्त में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ के महुआ धार पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टॉइस गट का नियमण

*1530. भी बताए कमाए—क्या मंडी, जल सेवापन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि यह यह चाह सही है कि औरगाढ़ जिला के कुदमा प्रखण्ड के अंतिमी दैम मुख्य तहत कौन्हवा अभिन अंग दे सकता है यह मुख्य नहर में स्टॉइस गेट का कार्य अधूरा रहने से लहड़े के किसानों को कृष्णने द्वारा यह सिंचाई के लिए सूखा जाती है, यदि ही, तो क्या सरकार हारियाली दैम मुख्य नहर पर स्टॉइस गेट का नियमण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कार्य पूर्ण करना

*1531. भी अभिन जमाए जाएँ—क्या मंडी, आमोण विकास विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाह सही है कि अरसिल विलान्तरीत भरातपा प्रखण्ड से खजुरी से हरपुर काला तक सहक का नियमण प्रधानमंत्री सहक योजना से विद्योग वर्ष 2013-14 से पारप हुआ था, लेकिन वर्ष 2015-16 से कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है जिसके कारण आमोणों वो अपने जाते में कठिनाई हो रही है, यदि ही, तो सरकार कार्यक्रम अधूरे नियमण कार्य को पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दोषी पर कार्रवाई

*1532. डॉ (नॉ) बबै—क्या मंडी, आमोण विकास विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाह सही है कि किशनगंगा जिला के किशनगंगा प्रखण्ड के दृढ़जा प० झोलांग मनोरगा योजना से योजना सु० वर्ष 58/13-14 के अंतर्गत राज्यव्यवस के घर के स्थानों से सेफर दिये लाने को पर तक मिट्टीकरण कार्य 5,41,500 प्राक्कलित गिरि से वर्ष 2015-16 में की गयी है, तो प्राक्कलित के अनुसार नहीं किया गया है, यदि ही, तो क्या सरकार इसकी जांच करेगा योंके प्रश्नाभिक्षणों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छिलका का नियमण

*1533. भी प्रभाव प्रसाद—क्या मंडी, जल सेवापन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाह सही है कि भाजपुर विलान्तरीत अग्निभीव प्रखण्ड के अंतर्गत जोहिले गाँव के पश्चिम कुम्हरी नदी में छिलका नहीं रहने से 25 गाँवों का सिंचाई कार्य प्रभावित रहता है, यदि ही, तो क्या सरकार कुम्हरी नदी में छिलका नियमण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कटाव रोधी कार्य करना।

*1534. श्री यशोदा कुमार यात्रा- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वह यह बात सही है कि रुपोल जिला के ग्राम पंचायत परसामधो के ग्राम-परसामधो में कासो मंडी के कटाव से विगत वर्ष सैकड़ों परिवारों का घर सहित उपजाऊ भूमि कटकर नदी को धरा में समा गया है, जिससे व्यापक ऐमाने पर जान-माल की क्षति हुई है, यदि ही, तो क्या सरकार उस स्थान पर कटाव रोधी कार्य करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कटाव से बचाव

*1535. हौं रामानन्द यात्रा- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वह यह बात सही है कि पटना जिलान्तरीत फतुहाँ प्रखण्ड के अलावलपुर ग्राम पंचायत के ग्राम-वाकरणक एवं ग्राम-जमालपुर अनुसंचित जाति चाहूल्य गाँव है, जो धरता नदी के किनारे समा हुआ है। हर साल नदी में चाहूल्य के कटाव के कारण लोगों का घर नदी में फिलोन हो रहे हैं, यदि ही, तो क्या दरकार उक्त गाँव में कटाव रोकने के लिये चाहूल्य सुरक्षात्मक कार्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1536. श्रीमती गुलजार देवी- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वह यह बात सही है कि मधुबनी जिला अन्तर्गत मधुपुर प्रखण्ड नियम सुन्दर विराजित पंचायत में चाहूल्य पंचायत को जोहने वाली माड़क के गेटुआ नदी पर पुल नहीं रहने के कारण आवागमन चापित है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का प्रकोपकरण

*1537. श्री रमेश ज्ञापिंदे- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि वह यह बात सही है कि मधेपुर जिलान्तरीत कुमार खंड प्रखण्ड के अमुख्या से कोहवार तक सड़क कच्ची है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त सड़क का प्रकोपकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकृप चालू करना।

*1538. श्रो रामसेवक सिंह - क्या मंत्री, समूचे जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह चात सही है कि गोपालगंज जिला के प्रखंड फूलवतीया एवं प्रखंड इथुआ में ग्राम-पड़का गाँव टोला अंतीचक, भद्रानी छापर, ठकुरीचक हरिहरा में वर्ष 2006-07 में नलकृप का निर्माण किया गया है;

(2) क्या यह चात सही है कि उक्त नलकृप आमोतक चालू नहीं होने के कारण किसानों को सिंचाई पर्याप्त नहीं मिल रही है;

(3) यदि उपर्युक्त घंटों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त नलकृपों को चालू करने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

सहूक या निर्माण

*1539. दूरो रंजु शीर्षा - क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह चात सही है कि सीलामढी जिलान्तरित चालूएँ प्रखंड के पंचायत मदानीपुर के भद्रानीपुर से यात्राद्वारा जाने वाली ग्रामीण सड़क ज्ञान है;

(2) क्या यह चात सही है कि इन धंडों के लोगों को पुरो अनुमंडल कार्यालय जाने के लिये यही एक ग्रन्थय सहूक है;

(3) यदि उपर्युक्त घंटों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सहूक का तोहोकरण, तर्जीकरण, प्रक्रोक्तरण, पूल भूलिया एवं ऐक्सो जाता निर्माण को स्वीकृति देने का विचार रखती है, तो, तो क्यों ?

कर्तव्य से चर्चाव

*1540. श्री नीरज कुमार - क्या मंत्री, जल संधारण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह चात भट्टी है कि कटिहार जिला के कुरसेला प्रखंड से चारी प्रखंड तक गंगा के भीषण कटाव के कारण खालिया, कटरिया, मुरगेला, कानवनगर एवं धौड़ातल पंचायत के फसलयुक्त भूमि एवं गौत गंगा में समाहित हो रहे हैं, जिससे उक्त द्वारों प्रखंडों के एक लाख जनार्थी प्रभावित हैं, यदि हो, तो कृपा सरकार उक्त कटाव के गंगा शब्द के लिये कटाव गोधूल कार्य कराना चाहती है, तो, तो क्यों ?

सम्पर्क पथ की स्वीकृति

*1541. श्री मंजुर सहायगी - क्या मंत्री, पृथ्वी निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह चात सही है कि दरभंगा जिला के दरभंगा शहर के धोनार चौक पर रेलवे गुमटी नं० 25 पर रेल ओवर प्रिंज का निर्माण की स्वीकृति जीव वर्ष पूर्व हो गयी थी एवं श्रिलक्ष्मण दिसम्बर, 2013 में ही हो गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गुल के समर्कं पर्य की स्वीकृति अभीष्ट नहीं होने के कारण निम्नांग कार्य प्राप्त नहीं हो सका है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त रेल ओवर ब्रिज वही चलने के कारण शहर के अधिकांश निम्नों में आवायत जाम की स्थिति रही है?

(4) यदि उपर्युक्त खालों के उत्तर स्वीकारात्मक नहीं, तो क्या सरकार उक्त रेल ओवर ब्रिज के समर्कं पर्य की स्वीकृति देने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का प्रकारकरण

* । ५२. श्री मंगल अवृद्धीबाना—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला के चौरांड़ प्रखंड अंतर्गत गाँव पर्यावरण भट्टाचारी के सप्ताह से रसायनपूर एवं पृथग्या पूर्ण से मिलीमांडील एक सहक कच्ची धूम वार्जर रहने के कारण आमलोगों को आवागत में कठिनाई देती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सहक का प्रकारकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

यारियां चालू करना

* । ५३. श्री शम्भूनाथ चारदय—क्या मंत्री, लालू जल संसाधन विभाग, यह भवालाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि घरमार जिला के समेरी तथा चक्की प्रखंड में चर्ष २०१२-१३ में विचार होने चाहिए किए गये हैं, लॉकिं चालू नहीं है, विस्तरे कारण ग्राम खड़हरा, एकाड्हा-लहाना के किसानों का १००० रुपये प्रौद्योगिकी में व्योग्यता है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त यारियों को चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहक का नियमण

* । ५४. श्री चौरेन्द्र कुमार सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तरीत एल-१२७, नवीनगर बास्त रोड से सद्या, एल १३४ शोलडेंगो रोड से सोनवारी तथा एल १३८ बास्त नवीनगर रोड से तख्ता रोड की स्वीकृति P.M.G.S.Y. योजना अन्वर्गीत चर्ष २०१३-१४ में हुयी है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सहक का नियमांग कार्य अभीतक प्राप्त नहीं हो सका है, जिससे ग्राम बनता को आवागत में कठिनाई हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त खालों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सहक का नियमांग कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सद्गुरु का पुरानीमाण

*1545. श्री शशि भूषण हेहारी—कथा मंत्री, शामोण आर्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा लिला अंतर्गत गोवर्हार स्थान प्रखंड के सभी घट से राज भट, विरोध प्रखंड के मोमीनी, सेसाही मीड सदक यातायात दूषित से काफी महत्वपूर्ण है जो जबर है, जिसमें अलागाम यात्रित है, तो तो क्या सरकार उक्त सद्गुरु का पुरानीमाण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*1546. श्री हनितावयण मिह—कथा मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि गालेदा लिला अंतर्गत पथ प्रमंडल, हिलमा के चाहड़ी-मोहसराम पौँडल्कुँडों गढ़ के जैतोपुर से नुरमगढ़-हिलमा पौँडल्कुँडों पथ के राजायाः तक जागरा तरह लिलोमी० सम्भी सदक शामोण कार्य विभाग का है, जिसकी स्थिति जबर है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त शामोण कार्य विभाग के पथ को पथ निर्माण विभाग में अधिष्ठाण कर निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1547. श्री राजोव छामार ढक्क मना यादव—कथा मंत्री, शामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर लिला अंतर्गत भीमापुर-प्रखंड के चौदपरना पंचायत में गडक जदों पर पुल नहीं है, जिससे जालागाम में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

गोलम्बर बनाना

*1548. श्री केदार प्रसाद गुप्ता—कथा मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करो कि क्या यह बात सही है कि मुजाफ्फरपुर लिला में सदर घना अंतर्गत गोवरहारी चौक पर चीरहा है, जो मुजफ्फरपुर जहर, समसरीपुर, हाजीपुर एवं मोतिहारी घोड़ को जोड़ती है, काफी अपस्त और उक्त इसान पर गोलम्बर न होने के कारण आर्य दिन दुर्घटनाएँ होती रहती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त चौक पर गोलम्बर बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1549. ओ विजय बमो- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह चात सही है कि परिवर्षी नमस्तरा जिलान्तरित नरकटीकायांज प्रखंड के दसरनीय पश्चापत के गम्भीर और बगली के बीच राष्ट्रभूमि नदी पर पुल नहीं है, यदि हो, तो क्या नरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

गांद की सफाई

*1550. ओ विजय रहमान- क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह चात सही है कि गूँडी अम्मारण जिलान्तरित डाका एवं गोडारहन प्रखंड में स्थित नहरें में गांद जमा होने के कारण सिंचाई कार्य नहीं हो रहा है, यदि हो, तो क्या नरकार उक्त नहरें में गांद की सफाई कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

*1551. ओ गम नारायण मंडल- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे इह—

(1) क्या यह चात सही है कि बैंको जिला को बैंका, सधाल गराना, लकड़ीकराना, होकुशन होकर देखार जिला तक जान याती सड़क अन्तर्राज्यीय सड़क है ;

(2) क्या यह चात सही है कि इस सड़क में चौकन तथा चुतार नदी पर पुल नहीं रहने के कारण अग लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या नरकार होकुशन के आगे बैंक और कुरार नदी पर पुल बनाने का विचार रखती है, है, तो कबाला, नहीं, तो क्यों ?

पुल पूरे कराना

*1552. ओ विजय बमार गिन्हा- क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह चात सही है कि लखोसाय जिलान्तरित बड़हिया प्रखंड के उरियापुर, खुटहा सड़क में पुल का निर्माण 10 वर्ष पूर्व में शुरू हुआ था ;

(2) क्या यह चात सही है कि 10 वर्ष बीत आने के बाद भी पुल का काम पूरा नहीं हुआ तो जिससे बरसात के दिनों में ग्रामीणों को बड़िगाड़ी का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या नरकार उक्त पुल के काम को पूरा करवाने का विचार रखती है, है, तो कबाला, नहीं, तो क्यों ?

पुल की भरमती

* १५५३. ओं अमरनाथ गामी—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि

(१) क्या यह बात सही है कि दरवंगा जिलान्तरी सूता हैडी पथ विशेष वै वर्षों से जर्वर है :

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ में एक पाइल पुल है, जिसके अतिप्रस्तु हो जाने के कारण

आवागमन व्यापित है :

(३) यदि डाक्युमें छाँड़ों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जर्वर पथ का पुनर्निर्माण करते हुए आवागमन पुल की भरमती करकर आवागमन व्याप्ति खाल का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का प्रकोक्तरण

* १५५४. श्री विनोद कूमार मिश्र—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलान को कृपा करेंगे

कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तरी आजमगढ़ प्रखंड के जैलिया जागेवर मंडल के पार से बागलपुर जनि किनार पूर्वी बौध द्वाला से गोरु डकड़ होते हुये जगतीस के घर तक के बीच आरो ३०० सौ० पुल एवं पक्की सड़क नहीं होने से लंगों को आवागमन में कठिनाई होती है, पर्दि ही, तो क्या सरकार उक्त सड़क के बीच आरो ३०० सौ० पुल का निर्माण तथा सड़क का प्रकोक्तरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ की भरमती

* १५५५. श्री मरानंद मिश्र—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलान को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बागलपुर जिलान्तरी सन्दीला प्रखंड के खड़हाट-हनवार पथ की भरमती ४ वर्ष पूर्व तुड़ी थी, जो जर्वर हो गया है तथा यह पथ बागलपुर जिला के कहतराति सन्दीला प्रखंड से झारखंड-जाने वाली मूल्य पथ है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ की भरमती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

भवन का निर्माण

* १५५६. श्री नन्द किशोर यादव—क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बहलाने को कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि बींच २०११ में ही यहां सदर प्रखंड कार्यालय का स्थल भिन्नतकर भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गयी थी :

(२) क्या यह बात सही है कि बींच बींच बोत जाने के उपरांत उक्त प्रखंड कार्यालय के भवन का निर्माण कार्य आरंभ नहीं किया गया है ;

(३) यदि उपर्युक्त खाँड़ों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यूब से चिह्नित स्थान पर यहां सदर प्रखंड कार्यालय के भवन का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*1557. श्री अमेद शाकर सिंह—क्या मंत्री, आमोण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि यह बात सही है कि औरंगाबाद जिलान्तरांत औरंगाबाद प्रखण्ड के इब्राहिमपुर से रम्पुकोल तक सड़क विधास तीन वर्ष से जर्जर अवस्था में है, जिसे आमलोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सड़क का निर्माण

*1558. श्री भोपल्ल प्रसाद खाटवे—क्या मंत्री, पश्च निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि विहार सरकार हारो लालोपुर-मुजफ्फरपुर के बीच 5 वर्ष पूर्व से फोरलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है, जिसका कार्य अभीतक अपूर्ण है;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क का कार्य अधूरे रहने के कारण पूरे उत्तर विहार के लोगों को पटना जाने-आने में अधिक समय लगता है तथा उक्त परियोजना को पूरी करने की निर्धारित समय पूरा हो चुका है;
- (3) यदि उपर्युक्त घंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य विशालीपूर्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

जधुर कार्य को पूरी करना

*1559. श्री बशीष्ठ सिंह—क्या मंत्री, प्रभोग कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि राज्यास जिला अंतर्गत शिवसागर प्रखण्ड में जो (आरो 28/55 मिलारी पद्ध से डुमरी शाहपुर पद्ध 4.05 कि0 मी0 एवं चो0 आर 28/56 मिलारी पद्ध से रसेन्दुआ भारा विहर बौध तक 3.85 कि0 मी0 का पथों का निर्माण कार्य एन0 पौ0 सौ0 मौ0 द्वारा वर्ष 2009-10 में शुरू किया गया था तथा कार्य अधूरा छोड़कर वर्ष 2011 में इसे बोर कर दिया गया है, जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जधुर पथों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सदृक का प्रक्रीयण

*1560. श्री नन्द कुमार गय- क्या भंडी, आमोल कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह यात सही है कि मुख्यमानपुर जिलानगैत पाठ्य-प्रश्नांड के चौथाई बाजार से मरेया होते हुये चैनपुर पोच गोड़ तक एवं चाम्पुरा गीच रुड से नवाग पोच गोड़ तक सदृक कल्पी है, यदि हो, तो क्या सरकार उस सदृक का प्रक्रीयण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

काय पूर्ण बारना

*1561. श्री विष्णु विहारी- क्या भंडी, यधि निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह यात सही है कि गरिधम चम्पारण जिला के गोमपट्टी, बद्रकार से साली बाजार जले जाती सदृक पिछते आठ साल से चाल रही है और यह पी०एम०वी०एस०वाई० सदृक आजतक पूरी नहीं हो पायी है, यदि हो, तो क्या सरकार संवितक के कार्य करावाई करते हुये सदृक विभाग पूर्ण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक की मरम्मती

*1562. श्री विष्णु ब्रामा- क्या भंडी, यधि निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह यात सही है कि दरभंगा जिला जंतरीत जाले विधान-सभा दोज में कुम्हरीली, नरौल, विहारी ब्रह्मपुर सदृक का निर्माण तो वर्ष पूर्व हुआ था, जो जल्दी ही जले के जलण अम आदमी को आवासन में परेगारी, जो साला करना पड़ता है, यदि हो, तो क्या सरकार उसे सदृक की मरम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक की मरम्मती

*1563. श्री राम लिलास पासवान- क्या भंडी, आमीण कर्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह यात सही है कि भागलपुर जिलानगैत पीरौंडी प्रखंड में थौलठपुर ग्राम से टिकालूर्गांम होते हुये मधुगपुर गोब तक निर्मित सदृक अल्पत जल्दी है, जिससे लोगों को आवासन में असुविधा होती है, यदि हो, क्या सरकार उसे सदृक की मरम्मती करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

* 1564. श्री नैशाद आलम—क्या मंत्री, शामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह यात सही है कि मुख्यमन्त्री जिला के गावसाट लॉक के काटा पंचायत के हनुमानगढ़र गाँव से सुम्मा गाँव तक महक को किनारे अतिक्रमण से आवाजापन बाधित है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सहक को अतिक्रमण से मुक्त कर जीड़ीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

* 1565. ओ जनर्वन मध्डी—क्या मंत्री, शामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह यात सही है कि यौक्षिक जिला में प्रधानमंत्री ओजनलगत जले कसबा पथ एवं यड़लानपुर पथ को जैडनेलाली एक किमो० शामोण पथ जाकर है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मार्ग से जोड़ना

* 1566. श्री अरोक्त कुमार सिंह (203)—क्या मंत्री, शामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह यात सही है कि केसूर जिला के दुर्गालगत प्रचल के खत्तराय, खरडग, जनर्वनपुर (मुख्य मार्ग), गाँव आज भी मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ा है;

(2) क्या यह यात सही है कि उक्त गाँव की आवासी कम्पश; धनसंधाय 1,000 अकड़ा 15.00 जनर्वनपुर 2,000 है;

(3) यदि ऊर्ध्वांश रुद्रों के उत्तर चौकाशमक हो, तो क्या सरकार उक्त गाँव को मुख्य मार्ग से जोड़ने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 1567. श्री (गो०) आशक आलम—क्या मंत्री, शामोण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह यात सही है कि पूर्णियाँ जिलालगत कसबा प्रखंड के मोहनी, टिकापुर-गाँव से इक्षिण चौमो खाट याट पर पुल नहीं होने के कारण कसबा प्रखंड एवं पूर्णियाँ जिला मुख्यालय जाने में आम जनता को कठिनाई हो रही है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

* 1568. श्री शतेश कृपार्थ—कथा भंडी, सधु उल संसाधन विभाग, वह बतलाने की घृणा करेंगे कि वया यह चाहत रही है कि औरगावाद जिला अन्तर्गत प्रखण्ड देव के हारिआंहो नहर के पठाने गहृ वितरणों नहर का निर्माण कर्म ग्रामकलान के अनुरूप नहीं किया गया रहा है, यदि ही, तो वया मरकार उसका निर्माण कर्म की जीवच करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

मुल का निर्माण

* 1569. श्री उमेश सिंह कुशाग्रा—कथा भंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की घृणा करेंगे कि कथा यह चाहत रही है कि वैशाली जिलान्तराले जनवाहा प्रखण्ड में याचा नदी के समल्पुर, पानापुर चाट पर पुल नहीं होने एवं कजरो बुजुर्ग सुरहा पुल खालिकरत होने के कारण लोगों को आवागमन में कठिनाई या सामग्री करना पड़ता है, यदि ही, तो कथा मरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

* 1570. श्री कुमार सर्वजीत—कथा भंडी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की घृणा करेंगे कि वया यह चाहत रही है कि गम्य जिलान्तराले फतेहपुर प्रखण्ड के गाम-फतेहपुर में प्रभु पासवान के पार से गोपाल कोड़ा होने द्वारे गुटकट तक सड़क नहीं है, जिससे आप जनता जो अवागमन में कठिनाई ढासी है, यदि ही, तो कथा मरकार उक्त स्थान पर सड़क का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विसंगति दूर करना

* 1571. ओ महबूब आलम—कथा भंडी, जल संसाधन विभाग, वह बतलाने की घृणा करेंगे कि—
 (1) कथा यह चाहत रही है कि सिंचाई विभाग के अंतर्गत मोहरिर पद हेतु योग्यता मैट्रीक है एवं सिंचाई राजस्व निरोक्षक पद का इंटरमीडिएट है;
 (2) कथा यह चाहत रही है कि मोहरिर को संवर्धन ग्रोन्निंग सिंचाई राजस्व निरोक्षक के पद पर दिया जाता है यानी मोहरिर से सिंचाई राजस्व निरोक्षक उच्च पद है;

(3) क्या यह बत सही है कि दिनांक । जनवरी, 1996 से हो मोहारी का संशोधित बेतनमान 4,000-6,000 स्वाक्षर उत्तर दिया गया है, जबकि सिंचाई राजस्व निरीक्षक का लेनदेन 3,200-4,900 ही रह चुका है, जो बताने विसर्गित है;

(4) यदि उपर्युक्त ग्रामों के उत्तर स्वोकाशभक्त हैं, तो क्या सरकार उक्त बेतन विसर्गित को दूरकर सिंचाई राजस्व निरीक्षक को पढ़ के और साथ मोहारी से वरीय बेतनमान देना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

तटवर्ष का निर्माण

* 1572. डॉ. विनाद प्रसाद यादव—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि गग्न जिला अंतर्गत छोभी प्रखण्ड में नीलाजन नदी में पौष्टिक संवरोधक नदी का कटाव तेजी से होने के कारण किसानों को खेतीन नदी में घिलान हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार नीलाजन नदी में उक्त स्थान पर यही कटाव रोकने हेतु नदी में ठटवर्ष निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

विचार का जीणांदार

* 1573. डॉ. रविन्द्र यादव—क्या मंत्री, लघु बल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिला के मिठोर प्रखण्ड के रत्नपुर-पचाशह अंतर्गत उमाइ विधार के बजार हो जाने के कारण वर्ष 2010 से पठवन बाधित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त विधार का जीणांदार का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप चालू करना

* 1574. श्री रमादेव राय—क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि पृथक् यह यह बात सही है कि बैगुसदाय जिला के भगवानपुर, बहुबाहा, मंसूरखक सहित 19 प्रखण्डों में दो सौ से अधिक सरकारी नलकूप पन्नह बचों से बंद हैं, जिससे किसानों को पठवन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त नलकूपों को चालू करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1575. श्री रामधिष्ठान सिंह— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि भोजपुर जिलान्तरगत बगडीशपुर प्रखंड के ज़रूरत से भन्हूडी एवं गुलाम से विदितों भाग रामउडी सड़क में संवेदक द्वारा प्रबंधन एवं भागक के अनुसूच्य ग्रामीण नहीं द्वारा सड़क निर्माण करना या जा रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क की गुणवत्ता की जांच एवं इसके लिये दोषी पदाधिकारी एवं संवेदक पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1576. श्री रमेश जट्टेंद्रेख— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि मधेपुरा जिलान्तरगत शोलरपुर प्रखंड के गांठों पंचायत के बाकरपुर में जिलंगीराज जल वाली सड़क के कासी चौक के जस नदी पर पुल नहीं है विस्तृ अलागमन में नदी का कठिनाद हाता है, यदि हाँ, तो ज्ञा सरकार उक्त स्थान पर आरू सो० सो० पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

चहारदीवारी का निर्माण

*1577. श्री मुरंद कुमार— क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि मुजाफ़रपुर जिलान्तरगत और्हड़ एवं कट्टा प्रखंड अवृत्तिगत है जिसका प्रखंड मुजाफ़रपुर परिसर का चहारदीवारी नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त प्रखंड घोसर को चहारदीवारी का निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1578. श्री अमांद कुमार— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि पुली चम्पारण जिला के माविहारी प्रखंड के बरवा लालोंगा जम्बू एवं बरवा करमोला महादलित बस्ती के बोच ग्रामीण कार्य विभाग के पथ पर स्थित पुल ज़ंजर है जिसके पुनर्निर्माण हाय शाक्कलान तैयार कर कार्यपालक अभियान, मंत्रिमंडली द्वारा 2014 में मुख्यमन्त्र पट्टम को घेजा गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

* 1579. धी मोताराम यादव— क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृति करेंगे कि क्या यह बात मही है कि भूमध्यसे निकला को बासोपटटो, जबलगढ़ एवं छत्तीली प्रदेश में सभी राजकोय नलकूप विगत ५ वर्षों से बड़े रूप से बाराणी किसानों को नियमाई में कटिहाड़ जाती है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त प्रदेशों में स्थापित बड़े राजकोय नलकूप को चालु करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

दोषो यथा करिवाई

* 1580. धी सरोज चालु— क्या मंत्री, प्रामीण कार्य विभाग, यह बदलाने की कृति करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भावधार विभाग के बड़ाठा विभान सभा द्वेष अन्तर्गत विश्वनाथ प्रदेश में फोकल राम को पर होते हुए समाधि गिरवायाया राय के पर तक, संसार से दुक डाला होते हुए नधमनपुर चाट तक, मौ मंत्रणी विधालय में छाटको इटहुना तक पर्याय का नियमण प्राप्तकर्ता के अनुकूप नहीं किया गया है जिसमें नियमण के एक महत के अन्वय ही पर्याय करते हैं गाय है एवं विश्वनाथ प्रदेश में फोकल राम के पर होते हुए विश्वनाथपुर राम के पर तक विश्वकी नियम ०७८ मोटर ही वहाँ मात्र ५०० मोटर ही राय का नियमण होता है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त प्रदेशों की तुष्टिका को अवृच्छा एवं ज्ञापन पूर्ण कर दोपहर भर करिवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

पुल का नियमण

* 1581. श्री बुझकिशोर विठ्ठ— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृति कि क्या यह बात मही है कि बोम्हा जिला अन्तर्गत बैनपुर प्रदेश स्थित नियमों गाँव के पास नियम बदल का पुल बढ़ाने के कारण विभाग एक शाल से दूर किला सीट को अन्तर्गत दूसी लोकांग प्रदेश मुष्टीयाया आने पहुंचा है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पुल का नियमण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

नलकूप चालु करना

* 1582. धीमती रघुपा यादव— क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बदलाने की कृति कि क्या यह बात मही है कि समस्तीपुर विधानसभा पर्याय प्रदेश के रूपीली एवं उमनसराय के गंभीरता के सभी राजकोय नलकूप विभाग २० वर्षों से बड़े रूप से कारण किसानों का परवान में कटिहाड़ जाती है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त बड़े राजकोय नलकूप को चालु करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

पुल का निर्माण

* 1583. श्री आचितुर रहमान—वया मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह चतुर्लाले को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया विला अंतर्गत हापालपुर पर्यायत के 67 आरोड़ों केनात पुल को दोकंदार द्वारा छोड़ दिया गया है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

योजना में शामिल करना

* 1584. श्री समीर कुमार महासेठ—वया मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह चतुर्लाले को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नेपाल में आनेवाले कोसी नदी के बाद से मधुबनी, महारा, मुग्गील, मधेपुर, पूर्णिंदी एवं अररिया जिलों में काफी झटि होती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि कोसी पुलवास योजना के तहत बाद से शतिष्ठि विला में महारा, मुग्गील, मधेपुर, पूर्णिंदी एवं अररिया को शामिल किया गया है, जबकि मधुबनी विला को छोड़ दिया गया है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के तहत स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कोसी पुलवास योजना में उटे हुए मधुबनी विला को शामिल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सम्पर्क पथ बनाना

* 1585. डॉ. सुनील कुमार—वया मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह चतुर्लाले को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नलदेव जिला के छह इंटर्वेंड के फरेहपुर, बेलदरिया, बगौरिया, मुसाफापुर, कुमठील में अभीतक संपर्क पथ का निर्माण नहीं हुआ है, जिसके कारण बरसात के दिनों में डक्ट गैरीजों के लोगों का आवागमन बाधित हो जाता है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त गैरीजों में बाहमामी एकल संपर्क पथ बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का एकीकरण

* 1586. डॉ. शमीम अहमद—वया मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह चतुर्लाले की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के बंजरिया इंटर्वेंड अंतर्गत मिसर्वां से सुरक्षा तक सड़क कस्ती है, जिसके कारण बरसात के दिनों में आवागमन बाधित रहता है, यदि हो, तो क्या सरकार उक्त सड़क का एकीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 1587. जीमती पंडा चौधरी—क्या भौंडी, ग्रामीण जाते विभाग, यह बहलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि लैशाली जिला के मतेपुर प्रखाड़ानगंत नून नदी के अहमदाबाद घाट पर पुल नहीं बढ़ने के कारण नदी के दोनों ओर निवास करने वाले 30,000 (तीस) हजार ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल निर्माण करने का विचार सख्ती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का बोर्डोदार

* 1588. श्री अमरेन्द्र कुमार शिंदे—‘कृपा’—क्या भौंडी, ग्रामीण जाते विभाग, यह बहलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि गोपतराज जिला में रवदेवरी प्रखाड़ानगंत भगवानपुर प्रखापत के ग्राम-चगहवा नगर से ग्राम-कुबड़ी सड़क तक जाने वाले पद विमल 3-4 वर्षों से जर्जरतम्भा में हैं, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ का बोर्डोदार कराकर पक्कीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

लटवंध वा निर्माण

* 1589. श्री बोरेड कुमार सिंह—क्या भौंडी, लल मसालान विभाग, यह बहलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि अंग्रेजीपाल जिलान्तरीन गोदानगर पथ बाहन प्रखंड में पुराने नदी से नईनगर के ग्राम-सोनडी, मोणलानी करमा, सोलाड, रिठ, देवदी में लघु चासन प्रखंड के ग्राम-इर्फला, गोदू में कटाय हो रहा है तरन्तु अधिक उक्त गाँवों को बराने हो गिरे तो लटवंध का निर्माण नहीं हुआ है, यदि ही, तो क्या सरकार कटाय गोपक रक्त लटवंध निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

महूक वा पक्कीकरण

* 1590. श्री रघुनाथ कुमार—क्या भौंडी, ग्रामीण जाते विभाग, यह बहलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तरीन केसरिया विधान-सभा झेंड के बनपुरजा गाँव से नारायणपुर के कल्पाणापुर प्रखंड के इनोपच्छ 28 तक महूक कर्मी एवं जर्जर हैं जिसमें आम लोगों को होते हुए कल्पाणापुर प्रखंड के इनोपच्छ 28 तक महूक कर्मी एवं जर्जर हैं जिसमें आम लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त सहूक को पक्कीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*1591. श्री जगदानं महो—क्या भवति, तल भैसाधम विभाग, यह बड़लाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बौका जिलानार्थी जैसी कैमाल डिपार्टमेंट के अवश्यक सुविधानित विधार

1995 के बाद में खस्त हो गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उच्च विधार खस्त होने के कारण फोरी, कूड़ी, माहजा, सिकन्द्रपुर एवं डहुड़ा वंचायत के किसानों के खेत सिंचान नहीं हो पा रहा है ;

(3) पर्याप्त उपर्युक्त साहित्य के रूप स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उच्च विधार का निर्माण कराना, किसानों को विनाई सुविधा उपलब्ध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की वास्तवी

*1592. श्री (मो०) नमात्मलाह—क्या भवति ग्रामीण कार्य विभाग, यह खतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के मध्य प्रदेश औरंगाबाद बड़दीरख के भरतपुरपुर यथा लालबांग ग्राम होते हुये पौष्टि धान तक जाने वाली सड़क जर्ब है, जिसमें आकाशमध्य में दिक्षकृत होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क को वास्तवी कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*1593. श्रीमती मनोजा सिंह चौहान—क्या भवति ग्रामीण कार्य विभाग, यह खतलाने की कृपा करेंगे कि, क्या यह बात सही है कि मोतामदी जिलानार्थी बेलसाठी प्रखंड के ग्राम धंसाकु भाड़गी के ग्राम-जगताग में महेन्द्र भाग के घर से दूसरी गतिपिछड़ा मुहल्ले तक जाइ०ए०पी० जोड़नानार्थी परवर्षी, 2013 में डेढ़ किलो० सड़क की स्वीकृति मिली थी, तबनु आजतक सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो उक्त सड़क का निर्माण कार्य अभीतक शुरू नहीं कराने का क्या जीवित्य है ?

पथ का निर्माण

*1594. श्री जितेन्द्र कुमार—क्या भवति, पथ निर्माण विभाग, यह खतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालंदा जिलानार्थी अस्थार्वी प्रखंड के छाग-सोसलापर से निजामपुरा माफी होते हुये पेहुँचा के जारे तक पथ का अधिग्रहण वित्तीय वर्ष 2014-15 में पी०ड०ल०८०३० में किया गया है लेकिन आजतक उक्त पथ का कार्यारम्भ नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार कबतक उक्त पथ का कार्यारम्भ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

* 1595. श्री एशाम बाबू प्रसाद यादव—क्षया मंत्री, ग्रामोन कार्य विभाग, जह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बत सही है कि गृहीं बम्बारण जिलान्तरीत चिह्निया प्रबंध के सिवायुण से टिकुलिया जाने वाली पर्स में लखना पुल बिगत दो बारों से जीर्ण-जीर्ण अवस्था में है;
- (2) क्या यह बत सही है कि उक्त पथ एन०एच० 28 से जुड़ता है, लेकिन पुल क्षतिग्रस्त रहने के कारण आवागमन एवं बाहनों का परिवालन बंद है;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कब्रिया उक्त धर्मियस्त पुल का नये सिंह से निर्माण करकर आवागमन बहाल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

कार्य शुरू नहीं करने का औचित्य

* 1596. आमतो सुनीता निंह चौहान—क्षया मंत्री, ग्रामोन कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बत सही है कि सीलामंडी जिलान्तरीत परसीनो प्रबंध के पश्चा महारानी स्थान से राजेन्द्र चौधरी महाप्रसिद्ध चस्ती होते हुये पंचायत भवन तक सहक निर्माण नहीं हुआ है;
- (2) क्या यह बत सही है कि उक्त सहक के निर्माण हेतु अई०ए०पी० योजना अंतर्गत फरवरी, 2013 में चथन किया गया था;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त सहक का निर्माण कार्य अभीतक शुरू नहीं करने का क्या औचित्य है?

पथ की मरम्मती

* 1597. श्री राज कुमार राघव—क्षया मंत्री, ग्रामोन कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बत सही है कि समस्तीपुर जिलान्तरीत हसनपुर प्रबंध के गाम-सरहिया से देवधा तक सहक जरूर है;
- (2) क्या यह बत सही है कि उक्त सहक का विगत 15 वर्षों से मरम्मतो नहीं किया गया है, जिससे आवागमन चाहित है;
- (3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ को मरम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों?

सिंचाई सुविधा देना

* 1598. श्री अशोक कृष्णर मिशन (203)—बया मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह चात सही है कि कौमूर जिला में सोन नहर के गारा चौरे और करगाह गंगवाहा में पानी कम होने से किसानों के खेती वाले सिंचाई नहीं हो पा रहे हैं, यदि हैं, तो बया सरकार उपर चांगत नहरों में पानी छोड़कर सिंचाई सुविधा बढ़ाव करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक का निर्माण

* 1599. श्री शशि भूषण हजारी—बया मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह चात सही है कि दरभंगा जिला से खण्डिया जिला की जाहने हेतु करशेष्वर स्थान से कुलांडा चाट तक सड़क वर्ष 2014 में स्वोकृत हुई थी, किन्तु निर्माण कार्य अधीनक प्रारम्भ नहीं हुआ है, यदि है, तो बया सरकार उक्त सड़क का निर्माण कार्य प्रारम्भ करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का जीणेदार

* 1600. श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय "पप्प"—बया मंत्री, आमीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह चात सही है कि गोपालगंज जिला के पंजारेखी प्रखण्डनार्गत मझबलिया पंचायत के ग्राम तिकारी ढपर में राम ईश्वर देम के घर से चबर होते हुये तोतरिया अगन्नाम नहर तक का कट्टी पथ वर्ष 2012 से गढ़वा में तब्दील हो गया है, यदि है, तो बया सरकार उक्त पथ का जीणेदार करकर पी०सी०सी० डलाई कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नहर की मरम्मती

* 1601. श्री कृष्ण कृमार कृष्ण—बया मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

- (1) क्या यह चात सही है कि मध्यपुरा जिला के सिंहेश्वर प्रखण्डनार्गत कट्टी से साहुगढ़ तक को छोड़ी केनाल नहर वर्ष 2008 की बाह में खतियास्त हो जाने के कारण इस केनाल में पानी नहीं छोड़ा जाता है;
- (2) क्या यह चात सही है कि इस केनाल में पानी नहीं छोड़ने से कट्टी लालपट्टी सुखासन एवं साहुगढ़ पंचायत के हजारों एकड़ में कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है;
- (3) यदि उपर्युक्त खाली को उत्तर स्वीकार्यालय है, तो बया सरकार इस नहर (केनाल) की मरम्मती करताकर कृषि कार्य हेतु पानी छोड़ने का विचार रखती है, है, तो कबतक, महीने तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1602. श्री हिन्दू बन्द यात्रा—कथा मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतानाने की कृपा करें कि क्या यह जात सहो है कि सहरमा जिलान्वयन सललूआँ प्रखण्ड के कोशी बांध ईमार्टी-आरटी-ओ-३ से गोरियारी शमा टोला पथ का निर्माण गो-एम-बी-एस-बाई० से हो गया है, किन्तु उक्त पथ में दुनिज पर पुल निर्माण नहीं होने से इसकी उपर्युक्त नहीं हो पा रहा है, यदि ही, तो क्या सरकार उक्त पथ के द्वेषत पर पुल निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छिलका पुल चालान

*1603. श्री प्रद्वाद यात्रा—कथा मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतानाने की कृपा करें कि ज्यो यह चाप सहो है कि लखीसराय जिला के रेलवे मैदान के पास किठल नदी में धोबीचाट से लखीसराय जिला युज्यालय जाने वे नदी में धोनी रहने के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि ही, तो कथा सरकार उक्त नदी के धोबीचाट के भजीक छिलका पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का पुनर्निर्माण

*1604. श्री अष्टवर्षी इस्ताम प्राहोन—कथा मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतानाने की कृपा करें कि क्या यह जात सहो है कि समस्तोपुर जिलान्वयन प्रखण्ड समस्तोपुर के दी०आर०ए०८० चैक से भाषा-फोखड़ा, लगुसिता रक्कांत, रुमपुर औरोपुरी, शीललप्टी इत्युपरिहित जामवाली ग्रामीण सदूक जाते एवं संकीर्ण हैं, जिसके कारण आम लोगों को आवागमन में सरेणुनियों का सम्पन्न करना पड़ रहा है, यदि ही, तो कथा सरकार उक्त आर०इस्ताम०हो० पथ को आर०सो०हो० पथ में ज्यापान्तरित कर उसका पुनर्निर्माण करा कराना चाहती है, ही, तो क्षपण, नहीं, तो क्यों ?

भवन बनाने

*1605. श्री मनिका सिंह यात्रा—कथा मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतानाने की कृपा करें कि क्या यह जात सहो है कि अरबल जिला का सोनभद्र चंसीसूर्यपुर प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय भवन का निर्माण अवश्यक नहीं हो सका है, यदि ही, तो कथा सरकार उक्त प्रखण्ड का कार्यालय भवन बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

महक का प्रकारण

*1606. श्री मेवालान चौधरी—ज्या मंत्रों ग्रन्थों कार्य विभाग, यह चतुर्लाने को बूझ करें कि ज्या यह यह स्तूति रखी है कि मूर्ग विला के हवेली सुदृश्यपूर प्रस्तुद अन्तर्गत संगठ धैर्यात्म के ग्राम-मितको गोडबलूडी। यह से भगवन्या गौव तक एवं भगवन्या गौव से चाहा, व्यासदेवपूर तक सहूक जर्जर है, विसरो उल्लेखों को आने ज्यामे में अभ्युतिष्ठा होती है, यदि हो, तो ज्या भरकार उक्त सहूक का प्रकारण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कर्तव्य में विभाव

*1607. श्री भोला यात्र्य—ज्या मंत्रों जल संसाधन विभाग, यह चतुर्लाने को बूझ करें कि—

- (1) ज्या यह यह स्तूति है कि इसस्ता विला के हनुमाननगर प्रस्तुद अंगूष्ठ मैदापुर (पंचायती गोदावरीपट्टी) वागमती नदी के विभास वसा हुआ है;
- (2) ज्या यह यह स्तूति है कि यही के विभास का व्यातु यहाँ पु-भाग का कटाव हो जाता है एवं मूल्यवाद करने का कर्तव्य है;
- (3) यदि उपस्तुति रखती के उन्नर स्वाक्षरात्मक है, तो ज्या भरकार उक्त स्वास पर कर्तव्य गोभक कार्य कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सहूक का प्रकारण

*1608. श्री श्रीमद अहमद—ज्या मंत्रों ग्रन्थों विभाग, यह चतुर्लाने को बूझ करें कि ज्या यह यह स्तूति है कि पूर्णी घमासान विला उके चनकबन्दा प्रस्तुद जंतगों समसी से घरडाकियों होते हुए विभाइची तक कर्त्त्वी सहूक है विभासे आम लोगों को अव्यागमन में झौलनाई होती है, यदि हो, तो ज्या भरकार उक्त सहूक को प्रकारण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

एथ की मरम्मती

*1609. श्री निनाद प्रसाद यात्र्य—ज्या मंत्रों प्राप्ति विभाग, यह चतुर्लाने को कृपा करें कि यह यह यह स्तूति है कि यह विलान्तर्वल शैरजट्टी से यथा भरकी सहूक में शाष्ट्रादी नई चावर से यहकी यस्तर तक सहूक जर्जर है, विसरक वारण जानतों के वारणालन में काफी कठिनाई होती है, यदि हो, तो ज्या भरकार उक्त प्रथ की मरम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*1610. श्री (मोर) जाफ़रक अलाम—ज्या मंत्रों ग्रन्थों विभाग, यह चतुर्लाने को बूझ करें कि ज्या यह यह स्तूति है कि पूर्णिधी विलान्तर्वल गर्वनेली में परिचम धनतवर्णिया धाट पर बना पुल विगत ३५ वर्षों में जर्जर है, यदि हो, तो ज्या भरकार उक्त पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक की मरम्मती

*1611. श्री गमनशाहजल महाराजा बना भवी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह चतुलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह चाल सही है कि चौका विस्तृतरंगत गाँव प्रदेश में जागड़ीहा-रेनिया चब एवं खेलारीकर रेखा एवं मुख्यमन्त्री द्वारा सदृक गोबन्धा से निर्मित हुआ था;

(2) क्या यह चाल सही है कि उचित रानीं सदृक गोबन्धा शोलं अखस्ता में है, जिससे इस लोब की जनता की आवागमन में परेशानी हो रही है;

(3) यदि उपर्युक्त चालों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उचित रानीं सदृकों की मरम्मती कराने का विचार रखती है, तो क्या उत्तरक, नहीं, तो क्यों ?

पुल वा निर्माण

*1612. श्री दण्ड राजधीर बना भवी, पथ निर्माण विभाग, यह चतुलाने की कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के मधुयन विधान-सभा की दो प्रखंडों क्रमशः मधुचक तथा फौनहरा को जोड़ने वाला कालगंगिया भालू पर पुल नहीं ढाने से सोगों को असामगमन में कठिनाई वा सामग्र चरना पड़ता है, यदि ही, तो क्या सरकार काफर्हहया भालू पर पुल निर्माण कार्य प्रारंभ कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

सदृक का पक्षीकरण

*1613. श्री संशद डाक पौजाना—बना भवी, ग्रामीण कार्य विभाग, यह चतुलाने को कृपा करें कि क्या यह चाल सही है कि सोतामढ़ी जिला के चेरात प्रदेश जाठीत ग्राम चेचाहत, यरिगमा के उचितरण से मर्तीना सकाएव जोगियाकुटी से विप्रालंग तक की सदृक काली रहने के कारण ग्रामीण जनता को बरसात की दिनों में असामगमन में कठिनाई होती है, यदि ही, तो क्या सरकार उचित सदृकों का पक्षीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 16 मार्च, 2016 (१०)।

राजीव कुमार,
प्रभारी सचिव,
विधान विधान-सभा, पटना।